MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 08 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-248

गिरवी व्यापारी फरार?

स्वर्णाभूषण को लेकर ग्राहक चिंतित

ओमप्रकाश सिरवी

हैदराबाद, 07 सितम्बर । जगतगिरी गुट्टा पुलिस परिधी के अंतर्गत में सोना-ज्वैलर्स की दुकान बंद होने पर स्थानीय इलाके में हड़कम्प मचने का विडियो वायरल का मामला सामने आया है, दावा किया जा रहा है कि शुभम ज्वैलर्स मालिक के पास सोने के आभुषण गिरव रखें हूए है, और दुकान पर कथित तौर पर ताला जडा.हूआ है ! ग्राहकों को दुकान बंद होने पर धोखाधडी.महसुस कर रहे हैं । गिरवी रखा हूआ सोना सिर्फ आभूषण नहीं होता, बल्कि किसी ग्राहक की वर्षों की मेहनत, बचत और खून-पसीने की कमाई की पूंजी होता है। इसी भरोसे पर लोग अपने गहने दुकानदार के पास गिरवी रखते हैं कि जरूरत के समय रकम लेकर अपने आभूषण वापस ले सकेंगे। लेकिन जब वही दुकान अचानक बंद मिले और दुकानदार के कथित तौर पर गायब होने की खबर सामने आए, तो उन ग्राहकों पर क्या गुजरती होगी, जिनकी जीवनभर की कमाई सोने के रूप में दुकान के अंदर जमा है ?

जगतगिरीगुट्टा के चंदनगिरी कॉलोनी में शुभम ज्वैलर्स की दुकान अचानक बंद मिलने के बाद कुछ ऐसा ही सवाल ग्राहकों के सामने खड़ा हो गया है। दुकान के बाहर ग्राहकों की भीड़ जमा हो गई और अपने गिरवी रखे सोने के आभूषणों को लेकर लोगों में बेचैनी बढ़ गई। बताया जा रहा है कि कई ग्राहकों ने यहां अपने सोने के आभूषण गिरवी रखे थे। अब दुकान बंद मिलने के बाद ग्राहक अपने आभूषणों और लेन-देन की रकम को लेकर परेशान हैं।

इसी बीच घटना से जुड़ा एक वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा है। वीडियो में शुभम ज्वैलर्स के मालिक के कथित तौर पर फरार होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, मालिक के फरार होने की आधिकारिक पुष्टि

अभी नहीं हुई है। मामले की जांच पर पुलिस की नजर बनी हुई है।

वायरल वीडियो के संबंध में शुभ- लाभ संवाददाता ने जगतगिरीगुट्टा पुलिस से जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, गिरवी रखे गए आभूषणों से संबंधित रसीदें लेकर ग्राहक थाने पहुंच रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि करीब 18 महीने पहले दुकान संचालक के बड़े भाई पर भी ग्राहकों के गिरवी रखे आभूषण लेकर दुकान बंद कर फरार होने का आरोप लगा था। बताया जा रहा है कि उस घटना को लेकर स्थानीय पुलिस में मामला भी दर्ज हुआ था। अब करीब 18 महीने बाद उसी परिवार से जुड़े छोटे भाई की दुकान भी बंद मिलने और उसके कथित तौर पर फरार होने का वीडियो सामने आने से पुराने मामले की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है।

18 महीने के भीतर सगे भाइयों से जुड़े दो अलग-अलग घटनाक्रम सामने आने के बाद ग्राहकों के बीच बड़े पैसा का घोटाले की आशंका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, इस आशंका की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पूरे मामले की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

दुकान के बाहर पहुंचे ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने भरोसे के आधार पर अपने सोने के आभूषण गिरवी रखे थे। अब दुकान बंद मिलने से उन्हें चिंता सता रही है कि उनके आभूषण और लेन-देन की रकम का क्या होगा। कई ग्राहक अपनी शिकायतों और जमा किए गए दस्तावेजों के साथ दुकान के बाहर जवाब का इंतजार करते दिखाई दिए।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर दुकान अचानक क्यों बंद हुई? क्या शुभम ज्वैलर्स का मालिक वास्तव में फरार है? ग्राहकों द्वारा गिरवी रखे गए सोने के आभूषण और लेन-देन की रकम कहां है? और क्या 18 महीने पहले बड़े भाई से जुड़े मामले तथा मौजूदा घटनाक्रम के बीच कोई संबंध है? ▶8पर

ठग ऑफ हैदराबाद!

लंदन में नौकरी का झाँसा, गिरफ्तार

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लंदन में नौकरी, वीजा बढ़वाने और नौकरी के लिए जरूरी प्रायोजन प्रमाणपत्र दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में तेलुगु यूट्यूबर राम नंदना को आरज-ीआईए पुलिस ने शमशाबाद हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि उनके खिलाफ जारी निगरानी सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। नंदना को आगे की कार्रवाई के लिए एनटीआर जिले के इब्राहिमपट्टनम पुलिस के हवाले किए जाने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस के अनुसार नंदना और उनके पति जगरलमूडी मधुकर के खिलाफ इब्राहिमपट्टनम पुलिस थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। यह मामला ब्रिटेन में रह रहे मामिल्लापल्ली शिवक्रांति कुमार की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि नंदना और उनके सहयोगियों ने उन्हें ब्रिटेन में वीजा की अवधि बढ़वाने, नौकरी दिलाने तथा नौकरी के लिए जरूरी प्रायोजन प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था। इसी भरोसे के आधार पर उनसे कथित तौर पर करीब 15 लाख रुपए लिए गए।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रकम लेने के बाद जो प्रायोजन प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया गया, वह कथित तौर पर फर्जी निकला। इसके बाद शिकायतकर्ता ने रकम वापस करने की मांग की। आरोप है कि कई बार पैसे मांगने के बावजूद पूरी राशि वापस नहीं की गई और कथित तौर पर केवल 2 लाख रुपए लौटाए गए। इसके बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस से संपर्क कर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान जगरलमूडी मधुकर को मुख्य आरोपी, राम नंदना को दूसरे आरोपी और मोहनराव को तीसरे आरोपी के रूप में शामिल किया है। पुलिस मामले में आरोपों की जांच कर रही है और संबंधित दस्तावेजों तथा पैसों के लेनदेन की भी पड़ताल की जा रही है।

पुलिस ने हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया

मामले में निगरानी सूचना जारी होने के बाद राम नंदना के शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने की जानकारी पुलिस को मिली। इसके बाद हवाई अड्डा पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें इब्राहिमपट्टनम पुलिस को सौंपे जाने की जानकारी है।

नंदना ने आरोपों को बताया था गलत

राम नंदना पहले ही अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को खारिज कर चुकी हैं। उन्होंने आरोपों को गलत बताते हुए अपना पक्ष रखा था। नंदना और उनके पति ने दर्ज मामले को रद्द कराने की मांग को लेकर तेलंगाना उच्च न्यायालय का भी रुख किया था। ऐसे में हवाई अड्डे पर हुई हिरासत की कार्रवाई के बाद मामला फिर चर्चा में आ गया है।

प्रायोजन प्रमाणपत्र की भी जांच

पूरे मामले में नौकरी के लिए दिए गए प्रायोजन प्रमाणपत्र को लेकर लगाए गए आरोप जांच का अहम हिस्सा हैं। ▶8पर

नस्लीय नफरत पर सिंगापुर सरकार की सख्ती

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। सिंगापुर सरकार ने नेपाल-तिब्बत में आई बाढ़ और सिंगापुर एयरलाइंस के एयर इंडिया में निवेश को लेकर ऑनलाइन भारतीयों को निशाना बनाने वाली नस्लीय एवं विदेशी-विरोधी टिप्पणियों के खिलाफ कार्रवाई का फैसला किया है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और गृह मामलों के मंत्री के. षणमुगम ने चेतावनी दी कि ऐसी बयानबाजी को अनदेखा करने से नस्लीय पूर्वाग्रह सामान्य हो सकता है और देश की बहु-नस्लीय एकता को खतरा पैदा हो सकता है। प्रधानमंत्री वोंग ने रविवार, 6 सितंबर को कहा कि सिंगापुर को किसी भी समुदाय के खिलाफ पूर्वाग्रह को स्वीकार या सामान्य नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों मुद्दों को लेकर ऑनलाइन चर्चाओं ने एक बदसूरत रूप ले लिया था। वोंग की यह टिप्पणी गृह मंत्री षणमुगम के बयान के एक दिन बाद आई। भारतीय मूल के षणमुगम ने कहा था कि पुलिस शर्मनाक, घटिया और पूरी तरह अस्वीकार्य नस्लीय एवं विदेशी-विरोधी टिप्पणियों की जांच कर रही है। इन बयानों के पीछे 26 अगस्त को नेपाल में

आई अचानक बाढ़ के बाद ऑनलाइन की गई टिप्पणियां थीं। इस बाढ़ में नौ सिंगापुरी नागरिक लापता हुए थे। इसके अलावा एयर इंडिया की ओर से अपने शेयरधारकों से करीब 1.5 अरब डॉलर जुटाने की खबरों के बाद भी भारतीयों के खिलाफ ऑनलाइन टिप्पणियां की गईं। सिंगापुर एयरलाइंस एयर इंडिया के शेयरधारकों में शामिल है।

लापता नागरिकों को लेकर भी की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां

षणमुगम ने लापता सिंगापुरी नागरिकों को लेकर की गई कई ऑनलाइन टिप्पणियों के उदाहरण दिए। इनमें 'नो, दे आर नॉट आवर ओन' जैसी टिप्पणियां शामिल थीं। कुछ टिप्पणियों में यह भी कहा गया कि प्रभावित लोग भारतीय जैसे दिखते हैं, इसलिए बचाव प्रयासों को रोक देना चाहिए। उन्होंने बताया कि एक टिप्पणी में 'एबीएनएन' शब्द का इस्तेमाल किया गया था, जो भारतीयों के लिए अपमानजनक शब्द है। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि सिंगापुर में मजबूत बहस हो सकती है, लेकिन किसी समुदाय के खिलाफ पूर्वाग्रह या विदेशियों के प्रति दुश्मनी को ▶8पर

तेलंगाना शर्मसार!

पुलिस की ज़्यादती, भड़की सबिता

ज़हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधानसभा परिसर में बीआरएस की महिला विधायकों के साथ पुलिस द्वारा कथित तौर पर किए गए व्यवहार को लेकर पूर्व मंत्री एवं बीआरएस विधायक सबिता इंद्रा रेड्डी ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे सभ्य समाज के लिए शर्मनाक बताया। सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि जिस तरह महिला विधायकों के साथ व्यवहार किया गया, वह तेलंगाना समाज के लिए कभी न मिटने वाला दाग है।

सबिता इंद्रा रेड्डी ने आरोप लगाया कि विधानसभा परिसर में बीआरएस की महिला विधायकों को पुलिस ने जिस तरीके से रोका और उनके साथ व्यवहार किया, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, विशेषकर महिला विधायकों के साथ इस तरह का व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा उदाहरण बहुत कम देखने को मिला है, जहां महिला विधायकों को विधानसभा परिसर में इस तरह अपमानित किए जाने का आरोप लगा हो। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगते हुए कहा कि आखिर काले कपड़े पहनकर विधानसभा जाने में क्या गलत है?सबिता इंद्रा रेड्डी ने सवाल उठाया कि यदि बीआरएस विधायक काले कपड़े पहनकर किसी मुद्दे के विरोध में विधानसभा पहुंच रहे थे, तो उन्हें रोकने या उनके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज ▶8पर

विधानसभा के मुख्य गेट पर विवाद

बीआरएस नेताओं के खिलाफ पुलिस ने किये मामले दर्ज

तेलंगाना विधानसभा के मुख्य प्रवेश द्वार पर पुलिस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेताओं के बीच हुए विवाद के बाद पुलिस ने कई बीआरएस नेत-ाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना सोमवार 7 सितंबर को विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन हुई, जब बीआरएस विधायक और एमएलसी काले रंग की टी-शर्ट पहनकर विधानसभा में प्रवेश करने पहुंचे थे। इन टी-शर्ट पर कांग्रेस सरकार के कथित तौर पर अधूरे वादों को लेकर नारे लिखे थे। पुलिस ने राजनीतिक संदेश वाली टी-शर्ट के साथ विधानसभा परिसर में प्रवेश पर आपत्ति जताई। इसके बाद मुख्य गेट पर पुलिस और बीआरएस नेताओं के बीच तीखी बहस, ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 23^0

'डेथ ट्रैप' बने पीजी पर लगाम नहीं!

भवनों की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को इमारत गिरने से सात लोगों की मौत ने राजधानी में छात्रों के लिए उपलब्ध पीजी और किराये के कमरों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे के बाद सरकार और प्रशासन ने दिल्ली की इमारतों का संरचनात्मक सुरक्षा परीक्षण कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का दावा किया है। लेकिन हादसे के बाद किए गए 'हॉस्टल डेथ' स्टिंग ऑपरेशन में खुलासा हुआ है कि हादसे की जगह के आसपास ही कई ऐसी इमारतों में छात्रों को कमरे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनकी हालत सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करती है।

इस हादसे में इमारत के मालिक 81 वर्षीय हरिराम गुप्ता, उनकी पत्नी 75 वर्षीय उर्मिला गुप्ता और उनके बेटे 52 वर्षीय महेश गुप्ता को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया है।

हादसे के बाद भी जारी है पीजी का कारोबार

सत्य निकेतन में हादसे के कुछ ही समय बाद पत्रकार टीम ने हादसे वाली जगह और आसपास के इलाकों में पीजी की स्थिति का जायजा लिया। ▶8पर

15 साल पुराने फर्जी दस्तावेज मामले में आचार्य बालकृष्ण बरी

देहरादून, 07 सितंबर (एजेंसियां)। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री और बाबा रामदेव के सहयोगी आचार्य बालकृष्ण को करीब 15 साल पुराने फर्जी दस्तावेज और पासपोर्ट मामले में बड़ी राहत मिली है। देहरादून की विशेष केंद्रीय अन्-वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए आचार्य बालकृष्ण को मामले में लगाए गए सभी आरोपों से बरी कर दिया। मामला भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए कथित तौर पर फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र इस्तेमाल किए जाने से जुड़ा था। सीबीआई के मुताबिक, बरेली स्थित पासपोर्ट कार्यालय में पासपोर्ट बनवाने के लिए खुर्जा के एक संस्कृत महाविद्यालय ▶8पर

शुद्धिकरण हवन मामला: कांग्रेस को झटका

हाईकोर्ट ने कहा, अतिरिक्त न्यायिक निर्देश की जरूरत नहीं

देहरादून, 07 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कथित 'शुद्धिकरण यज्ञ/हवन' प्रकरण की स्वतंत्र जांच की मांग वाली जनहित याचिका का निस्तारण कर दिया। राज्य सरकार की ओर से निष्पक्ष जांच के आश्वासन के बाद अदालत ने कहा कि इस स्तर पर किसी अतिरिक्त न्यायिक निर्देश की आवश्यकता नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने कहा कि महाधिवक्ता की ओर से निष्पक्ष और कानूनसम्मत जांच का आश्वासन दिया गया है। याचिकाकर्ता, जो खुद को अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित अधिवक्ता बताते हैं, ने स्थानीय पुलिस से अलग किसी वरिष्ठ अधिकारी अथवा विशेष टीम से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता ने घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, वीडियो, फोटो, सामाजिक माध्यमों की सामग्री और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने

के निर्देश देने की भी मांग की थी। इसके अलावा राज्य में अस्पृश्यता निषेध एवं नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करने की मांग की गई थी।

राज्य की ओर से महाधिवक्ता एस.एन. बाबुलकर ने अदालत को बताया कि 30 अगस्त 2026 को हल्द्वानी थाने में इस मामले में प्राथमिकी संख्या 0297/2026 दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि बेंगलुरु में दर्ज एक शून्य प्राथमिकी को जांच के लिए हल्द्वानी स्थानांतरित किए जाने की संभावना है। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रनवे लांघकर सड़क पर दौड़े विमान ने 5 को रौंद डाला, मौत

वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक भयानक विमान हादसा हो गया। प्यूर्टो रिको के सैन जुआन से आया अमेजन का एक मालवाहक विमान दोपहर लगभग दो बजे लैंडिंग के बाद रनवे से आगे निकल गया। विमान अनियंत्रित होकर सड़क पर चला गया और कई लोगों को कुचलते हुए उसने वाहनों को टक्कर मार दी। उसके बाद उसमें भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

मियामी-डेड काउंटी के अधिकारियों ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस हादसे में पांच लोगों ने अपनी जान गंवाई, तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए और दो अन्य को अपेक्षाकृत कम गंभीर चोटें आईं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि मारे गए लोग विमान में सवार थे या उन वाहनों में, जिनसे विमान टकराया। मियामी-डेड बचाव अग्निशमन प्रमुख रे जडाल्ला ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद आसमान में घना काला धुआं छा गया और स्थिति भयावह थी। पायलट और सह-पायलट काकपिट में फंसे हुए थे, जबकि कुछ लोग अपनी कारों के अंदर फंसे मिले। एक अन्य व्यक्ति तो एक वाहन के नीचे दब गया था, जिसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे के कारण मियामी के व्यस्त हवाई अड्डे पर दोपहर के समय उड़ानों को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जडाल्ला ने यह भी बताया कि हादसे के कई घंटों बाद भी विमान से ईंधन का लगातार रिसाव हो रहा था, जिससे दमकलकर्मी आग बुझाने और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे रहे, क्योंकि ईंधन के कारण आग फिर से भड़कने का खतरा बना हुआ था। यह दुर्भाग्यपूर्ण उड़ान नार्थ कैरोलाइना स्थित मालवाहक विमानन कंपनी 21 एयर द्वारा संचालित की गई थी। उड़ान पर नजर रखने वाली वेबसाइट के अनुसार, यह 32 साल पुराना बोइंग 767 विमान था, जिसे मूल रूप से यात्रियों को ले जाने के लिए बनाया गया था। इसने दो दशकों से अधिक समय तक कई विमानन कंपनियों के लिए उड़ान भरी, जिसके बाद 2015 में इसे मालवाहक विमान में परिवर्तित कर दिया गया था।

राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने इस हादसे की गहन जांच के लिए मियामी में एक टीम भेजने की घोषणा की है, जिसकी अगुवाई बोर्ड की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी करेंगी। अमेजन ने एक बयान जारी कर कहा कि वह किसी भी जांच में पूरा सहयोग करने के लिए तैयार है।

कंपनी ने दुख व्यक्त करते हुए कहा, हमें यह जानकर बेहद दुख हुआ कि मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई इस घटना में पांच लोगों की जान चली गई। हम इस हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों, उनके प्रियजनों और इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। इस दुखद घटना ने हवाई अड्डे की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों पर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

ओसाका के विशाल गेट रोकते है समुद्र और नदियों के बाढ़ के पानी को

टोक्यो। जापान के ओसाका शहर की एक ऐसी इंजीनियरिंग व्यवस्था भी है, जो किसी साइंस-फिक्शन फिल्म के दृश्य जैसी नजर आती है। ओसाका शहर अपनी आधुनिक इमारतों, व्यस्त सड़कों और तकनीकी विकास के लिए जाना जाता है। इस शहर में बनाए गए विशाल फ्लडगेट यानी बाढ़ रोधी गेट समुद्र और नदियों से आने वाले पानी के खतरे को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ओसाका समुद्र के बेहद करीब स्थित है और यहां कई नदियां तथा जलमार्ग मौजूद हैं। यही वजह है कि तूफान, ऊंचे ज्वार और समुद्री जलस्तर बढ़ने के दौरान शहर के कई इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो सकता है। ऐसे हालात से निपटने के लिए शहर में व्यापक बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था विकसित की गई है, जिसमें ये विशाल गेट भी शामिल हैं। सामान्य परिस्थितियों में इन जलमार्गों से पानी का प्रवाह जारी रहता है। लेकिन जब तूफान या समुद्री जलस्तर बढ़ने का खतरा होता है, तब जरूरत के अनुसार गेट बंद किए जा सकते हैं। बंद होने के बाद ये भारी स्टील संरचनाएं पानी के लिए मजबूत अवरोध का काम करती हैं और संवेदनशील शहरी इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंचने का खतरा कम करने में मदद करती हैं। दूर से देखने पर ये गेट किसी विशाल लोहे की दीवार जैसे दिखाई देते हैं, लेकिन इनके पीछे बेहद जटिल इंजीनियरिंग काम करती है। इन्हें पानी के दबाव, बहाव की गति, समुद्री लहरों और संभावित तूफानी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाता है। गेट का आकार, वजन, मजबूती और संचालन प्रणाली सभी बाढ़ नियंत्रण की जरूरतों के हिसाब से तैयार किए जाते हैं। ओसाका की यह व्यवस्था वर्षों में विकसित हुई है।

पाकिस्तान में सैन्य शक्ति का नया केंद्रः आसिम मुनीर को मिले अभूतपूर्व अधिकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने दशकों बाद अपने सैन्य कमांड इंफ्रास्ट्रक्चर में ऐतिहासिक बदलाव किया है,

इसके तहत फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को बड़े पैमाने पर अधिकार सौंपे गए हैं। इस कदम से देश के सिविल-मिलिट्री संतुलन पर गहरा असर पड़ने वाला है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान में अब तक थल सेना, नौसेना और वायु सेना की कमान अलग-अलग सैन्य अधिकारियों के पास थी। जाइंट चीफ्स के चेयरमैन उनके बीच केवल तालमेल बिठाते थे, लेकिन तीनों सेनाओं की सीधी कमान उनके हाथ में नहीं थी। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए, 2025 में संविधान संशोधन के जरिए चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) का नया पद सृजित किया गया है और पुराने पद को समाप्त किया गया है। मुनीर के चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज बनने के बाद, सशस्त्र बलों की आपरेशनल कमान और कंट्रोल अब सीधे उनके हाथों में होगी। इस बदलाव से एक ही अधिकारी को तीनों सेनाओं पर अभूतपूर्व अधिकार मिले हैं। सीडीएफ की ताकत परमाणु फैसले लेने की प्रक्रिया तक विस्तृत हो जाती है। देश के प्रधानमंत्री नेशनल कमांड अथारिटी के प्रमुख होते हैं, जो पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की देखरेख करती है। उम्मीद है कि सीडीएफ इसके डिप्टी चेयरमैन बन सकते है। इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान की परमाणु क्षमता वाली सेनाओं की देखरेख करने वाले नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड के कमांडर की नियुक्ति भी सीडीएफ की सिफारिश पर होगी।

बाढ़ प्रभावित नेपाल को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने को अमेरिका तैयारः मार्को रुबियो

काठमांडू। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी

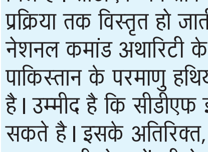

(आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने से टेलीफोन पर बात की और विनाशकारी बाढ़ में हुई जानमाल की क्षति के लिए सांत्वना देते हुए नेपाल सरकार के प्रति एकजुटता जताई। रुबियो ने कहा कि अमेरिका विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित नेपाल को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। आरएसपी के अनुसार रुबियो ने बाढ़ में जान गंवाने वालों के प्रति शोक व्यक्त किया और इस कठिन समय में नेपाली जनता तथा नेपाल सरकार के प्रति एकजुटता जताई। रुबियो ने कहा कि अमेरिका नेपाल को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। बातचीत के दौरान लामिछाने ने कहा कि उनकी पार्टी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सरकार द्वारा जारी खोज, बचाव और राहत कार्यों में सहयोग के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने रुबियो को आश्वस्त किया कि हाल की बाढ़ से प्रभावित विदेशी नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए नेपाल प्रतिबद्ध है। लामिछाने ने आपदा के दौरान सहायता एवं सहयोग प्रदान करने के लिए अमेरिकी सरकार का आभार जताया।

होर्मुज की जलसमाधि : दुनिया की आर्थिक तबाही की आहट

तेहरान

फारस की खाड़ी का नीला पानी इन दिनों खौल रहा है। दुनिया की रगों में ऊर्जा पंप करने वाली सबसे बड़ी महाधमनी यानी होर्मुज जलडमरूमध्य पर एक बार फिर ऐसा पहरा बैठा है, जिसने ग्लोबल इकानमी की सांसें अटका दी हैं। इसे महज़ अमेरिका और ईरान के बीच वर्चस्व की एक और लड़ाई मान लेना एक बड़ी भूल होगी। यह उस भू-राजनीतिक ड्रामे का नया अंक है, जहां शांति वार्ता केवल एक छलावा साबित हुई है, और असली पटकथा हथियारों की भाषा में लिखी जा रही है। कुछ समय पहले तक दुनिया को यह उम्मीद बंधाई गई थी कि अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक चैनल खुल रहे हैं।

वाशिंगटन और तेहरान के बीच पर्दे के पीछे शांति की बयार बहने की सुगबुगाहट थी, लेकिन यह उम्मीद उतनी ही कच्ची निकली जितनी रेगिस्तान की रेत। अड़ियल रुख दोनों तरफ से है। अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी जहाजों को निशाना बनाए जाने के दावों ने पहले ही तनाव की चिनगारियां बिखेर दी थीं, और अब इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के ताजा वीडियो ने आग में घी डालने का काम किया है। ईरान ने जिस आक्रामकता के साथ होर्मुज में छह जहाजों को रोकने और उनमें से तीन अमेरिकी जहाजों को खास तौर पर घेरने का फुटेज जारी किया है, वह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक वार है। तेहरान ने दुनिया को यह संदेश साफ-साफ दे दिया है कि इस समुद्री गलियारे का सिकंदर कौन है।

ईरान ने साफ कर दिया है कि जो भी जहाज अमेरिकी निर्देशों पर चलेंगे, उन्हें खाड़ी में गंभीर परिणाम भुगतने होंगे, यानी न्यूट्रल रहने का विकल्प भी अब खत्म कर दिया गया है। आईआरजीसी ने अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था को छलावा करार देकर सीधे तौर पर महाशक्ति को चुनौती दी है, और तेहरान ने अमेरिकी हमलों को युद्ध अपराध तथा यूएन चार्टर का उल्लंघन बताकर कूटनीतिक मोर्चे पर भी अमेरिका को घेरने की चाल चल दी है। होर्मुज जलडमरूमध्य कोई आम समुद्री रास्ता नहीं है। यह वह संकीर्ण गलियारा है जिस पर एशिया से लेकर यूरोप तक की ऊर्जा सुरक्षा टिकी हुई है। वैश्विक तेल और एलपीजी की एक बहुत बड़ी मात्रा इसी रास्ते से होकर दुनिया के बाजारों में पहुंचती है।

ईरान से जंग खत्म होते ही 40 डालर तक गिर सकती हैं तेल की कीमतें, अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी बेसेंट ने किया दावा, हाल के हफ्तों में कीमतों में आई तेजी

वाशिंगटन। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काकट बेसेंट का मानना है कि ईरान के साथ जंग खत्म होने के बाद तेल की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। ये कीमत गिरक 40 डालर प्रति बैरल तक गिर सकती हैं। उनका मानना है कि इस गिरावट से महंगाई का दबाव कम हो सकता है और हाल ही में हुई बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बान्ड यील्ड में भी भारी गिरावट आ सकती है। एक इंटरव्यूह में बेसेंट ने कहा कि ईरान संघर्ष के समाधान के बाद तेल बाजार में काफी ज्यादा आपूर्ति हो सकती है। हम इस संघर्ष के दूसरे पक्ष में पहुंच जाएंगे और मुझे उम्मीद है कि तेल की कीमतों में गिरावट आएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि उत्पोदन में बढ़ोतरी से कच्चे तेल की कीमतें 50 डालर या यहां तक कि 40 डालर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। हालांकि उन्होंयने यह नहीं बताया कि जंग कब खत्मक होगी। यह बयान ऐसे समय में आया हैं जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव का असर ऊर्जा बाजारों पर लगातार पड़ रहा है। बता दें ब्रेंट क्रूड 95 डालर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रहा था, जो जुलाई के बाद से अपने उच्चतम स्तर के करीब है, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट करीब 91 डालर पर था। अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य हमलों के बाद हाल के हफ्तों में तेल की कीमतों में तेजी आई है। इस बढ़ोतरी ने महंगाई को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है, खासकर इसलिए क्योंकि ऊर्जा की बढ़ती लागत कंज्यूटमर कीमतों को प्रभावित कर सकती है। महंगाई की बढ़ती उम्मीदों ने सरकारी बान्ड यील्ड में भी बढ़ोतरी की है। इस सप्ताह अमेरिकी 10-साल के ट्रेजरी यील्ड 2023 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। बेसेंट ने कहा कि तेल की कीमतों, महंगाई और ब्याडज दरों के बीच संबंध अब स्पष्ट हो चुका है। ईरान के साथ जंग खत्मय होते ही तेल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी और महंगाई कम होगी।

रेनडियर का दूध पीता हैं मंगोलिया का दुखा समुदाय अनोखी है जीवनशैली

उलानबाटर

मंगोलिया की कठोर और बेहद ठंडी जलवायु में रहने वाला दुखा समुदाय अपनी अनोखी जीवनशैली के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। यह समुदाय गाय, भैंस या बकरी के बजाय रेनडियर यानी हिरन की एक विशेष प्रजाति पालता है और उसके दूध का इस्तेमाल अपने भोजन में करता है। रेनडियर का वैज्ञानिक नाम रंगिफर टारंडस है। इसे हिंदी में कई बार बारहसिंघा कहा जाता है, हालांकि दोनों को एक ही जानवर मानना वैज्ञानिक रूप से सही नहीं है। दुखा या त्सातान समुदाय मुख्य रूप से मंगोलिया के खोव्सगोल प्रांत के जंगली और पहाड़ी इलाकों में घुमंतू जीवन जीता है। रेनडियर इनके जीवन का अहम हिस्सा हैं। इनका इस्तेमाल दूध, परिवहन और ऊन के लिए किया जाता है।

समुदाय की महिलाएं आमतौर पर दूध निकालने का काम करती हैं। सुबह बछड़ों को कुछ समय के लिए अलग रखा जाता है, ताकि मां का दूध जमा हो सके। इसके बाद दोपहर के समय रेनडियर का दूध निकाला जाता है और पर्याप्त दूध बछड़े के लिए भी छोड़ दिया जाता है। रेनडियर का दूध सामान्य गाय के दूध की तुलना में अधिक गाढ़ा माना जाता है और इसमें वसा तथा प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है। ठंडे वातावरण में रहने वाले लोगों के लिए यह ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्रोत है। दुखा समुदाय इस दूध से चाय, दही और पनीर जैसी चीजें तैयार करता है। इससे ब्रेड भी बनाई जाती है, जिसे रेनडियर मिल्क ब्रेड के रूप में जाना जाता है। दूध को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए प्राकृतिक ठंडे वातावरण का भी इस्तेमाल किया जाता है। इस समुदाय की रेनडियर के प्रति सोच भी बेहद अलग है। जानवरों को केवल भोजन का साधन नहीं माना जाता, बल्कि परिवार का हिस्सा समझा जाता है। इसलिए उन्हें सामान्य तौर पर मांस के लिए नहीं मारा जाता।

भोजन के लिए समुदाय दूध और उससे बने उत्पादों के अलावा जंगल से मिलने वाले दूसरे संसाधनों और शिकार पर निर्भर रहता है। दुखा समुदाय का जीवन हालांकि बेहद चुनौतीपूर्ण है। कड़ाके की ठंड, चारे की उपलब्धता, भेड़ियों से रेनडियर की सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं से दूरी उनके सामने बड़ी मुश्किलें पैदा करती हैं। इसके बावजूद समुदाय अपनी सदियों पुरानी परंपराओं को बचाए रखने में जुटा है। युवा पीढ़ी को रेनडियर पालने, दूध निकालने और उससे डेयरी उत्पाद तैयार करने की पारंपरिक तकनीक सिखाई जाती है। मंगोलिया में घोड़े, ऊंट, याक, भेड़ और बकरी का दूध भी इस्तेमाल किया जाता है।

अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता का भूकंप, नुकसान की सूचना नहीं

काबुल। अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.1 मापी गई। इसका केंद्र 36.114 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.820 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 130 किलोमीटर की गहराई में था। केंद्र ने कहा कि भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी भी सामने नहीं आई है। अफगानिस्तान के अखबार हश्त-ए-सुब्ह डेली की यूएस जियोलाजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के हवाले से प्रसारित एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले एक सितंबर को ताखर प्रांत के फरखार जिले में भूकंप आ चुका है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 थी। दो सितंबर को तड़के भी राजधानी काबुल समेत देश के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अफगानिस्तान भौगोलिक स्थिति के कारण भूकंप के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील है। पिछले साल 31 अगस्त/ 01 सितंबर की रात पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत (जलालाबाद के पास) और कुनार में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से भारी तबाही हुई थी। इस आपदा में 2,200 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 3,600 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

सात दशक पूर्व कार में बच्चों की सीटों का डिजाइन था बिल्कुल अलग

लंदन

1950 के दशक की बच्चों के लिए कार में सीटों को लेकर सुरक्षा से ज्यादा खुली हवा और बेहतर नजारे पर जोर दिया जाता था लेकिन आज हालात बिलकुल बदल चुके है। करीब सात दशक पहले बच्चों की कार सीटों का डिजाइन आज की सुरक्षा सोच से बिल्कुल अलग था। 1930 से 1960 के दशक के बीच इस्तेमाल होने वाली शुरुआती कार सीटें काफी साधारण होती थीं। कई माडल मेटल फ्रेम से बने होते थे, जिन्हें कार की सीट पर हुक या स्ट्रैप की मदद से लगाया जाता था। इनमें बच्चे को ऊंचा बैठाने और बाहर का नजारा दिखाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था। कुछ सीटों में बच्चे के मनोरंजन के लिए खिलौने जैसा डैशबोर्ड, स्टीयरिंग व्हील और गियर शिफ्टर तक लगाए जाते थे।

कई माडलों में साधारण लैप बेल्ट जरूर होती थी, लेकिन दुर्घटना के दौरान बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए आज जैसी मजबूत एंकरिंग व्यवस्था नहीं थी। 1950 के दशक से जुड़ी कुछ ऐतिहासिक तस्वीरों में कार के दरवाजे के बाहर मेटल फ्रेम वाली सीटें भी दिखाई देती हैं। इन सीटों को दरवाजे पर हुक की तरह लगाया जाता था, जिससे बच्चा खुले वातावरण में बैठकर आसपास के दृश्य देख सके। हालांकि, इन तस्वीरों को देखकर यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि ऐसी सीटों का ड्राइविंग के दौरान बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता था। ऐसी तस्वीरों के कई संदर्भ स्पष्ट नहीं हैं और सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली कुछ तस्वीरें एआई से बनाई गई या गलत संदर्भ के साथ साझा की गई पाई गई हैं। उस दौर में कार सीटों का मुख्य उद्देश्य बच्चे को कार में स्थिर रखना, ऊंचा बैठाना और सफर के दौरान उसका मनोरंजन करना था। गंभीर टक्कर की स्थिति में सुरक्षा को लेकर आज जैसी वैज्ञानिक समझ और तकनीक उपलब्ध नहीं थी।

दुर्घटना होने पर सीट के खिसकने या मुड़ने का खतरा रहता था। 1960 और 1970 के दशक में बच्चों की सुरक्षा को लेकर शोध और क्रैश टेस्टिंग बढ़ने लगी। इंजीनियरों ने महसूस किया कि सिर्फ बच्चे को ऊंचा बैठाना पर्याप्त नहीं है। इसके बाद मजबूत शेल, बेहतर हार्नेस और सुरक्षित इंस्टालेशन सिस्टम विकसित किए गए। आज की कार सीटों में फाइव-पाइंट हार्नेस, साइड-इम्पैक्ट प्रोटेक्शन, एनर्जी-अब्जार्बिंग फोम, मजबूत प्लास्टिक और मेटल फ्रेम के साथ आईएसओफिक्स या लैच सिस्टम जैसी तकनीक इस्तेमाल होती है।

चीन के नास्त्रेदमस की 2027 के लिए पांच डरावनी भविष्यवाणियां

बीजिंग

चीन के एक प्रोफेसर जियांग श्येछिन को उनके समर्थक चीन का नास्त्रेदमस कहते हैं। इसकी वजह उनकी कुछ पुरानी भविष्यवाणियां हैं, जिनके बाद दावा किया गया कि उनकी बातें आगे चलकर सही साबित हुईं। अब जियांग ने साल 2027 को लेकर ऐसी भविष्यवाणियां की हैं, जिनमें ईरान युद्ध से लेकर अमेरिका में आर्थिक तबाही और गृहयुद्ध जैसे हालात तक का दावा किया गया है। जियांग श्येछिन एक चीनी-कनाडाई शिक्षक और राजनीतिक टिप्पणीकार हैं। उन्होंने पहले दावा किया था कि डोनाल्ड ट्रंप 2024 का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतेंगे। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा था कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका और इजरायल ईरान के साथ युद्ध में शामिल होंगे, जो बात सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि ईरान युद्ध आने वाले समय में और भी खतरनाक रूप ले सकता है, जिसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिखाई देगा।

जियांग के मुताबिक, ईरान की स्थिति आगे चलकर एक पूर्ण युद्ध में बदल सकती है, जो केवल हवाई हमलों तक सीमित नहीं रहेगा। उनका दावा है कि हालात ऐसे बनेंगे कि अमेरिका को ईरान में जमीनी सैनिक उतारने पड़ सकते हैं, जिससे यह संघर्ष एक लंबी और खर्चीली जंग में बदल जाएगा। इसके बाद अमेरिका लंबे समय तक पश्चिम एशिया के इस संघर्ष में बुरी तरह फंस सकता है। उन्होंने अप्रैल 2026 में एक पाडकास्ट में कहा था कि अगर ईरान में अमेरिकी जमीनी अभियान शुरू हुआ, तो चार साल तक वहाँ फंसे रहना भी कम अनुमान होगा। उनके मुताबिक, यह संघर्ष 10 से 20 साल तक भी चल सकता है, जिसका अमेरिका और वैश्विक स्थिरता पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। जियांग ने इससे आगे एक और बड़ा और गंभीर दावा किया है। उनका कहना है कि ईरान में बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिकों की जरूरत पड़ने पर अमेरिका में अनिवार्य सैन्य भर्ती की व्यवस्था फिर से शुरू हो सकती है, जो लंबे समय से बंद है। उनके मुताबिक, 2027 तक इसकी रूपरेखा तैयार हो सकती है और 18 साल की उम्र के युवाओं को भी सेना में सेवा देने के लिए बुलाया जा सकता है। यह अमेरिकी समाज में एक बड़ा बदलाव लाएगा और नागरिक स्वतंत्रता पर भी सवाल खड़े करेगा।

जियांग ने अमेरिका के अंदर भी बड़े बदलाव की भविष्यवाणी की है। उनका दावा है कि आने वाले समय में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट यानी आईसीई की ताकत बढ़ सकती है और उसका असर अमेरिका के बड़े शहरों में ज्यादा दिखाई देगा, जिससे अप्रवासन नीतियों में और सख्ती आएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि आर्थिक संकट से निपटने की तैयारी के तहत नेशनल गार्ड को अमेरिका के बड़े शहरों में तैनात किया जा सकता है, जो संभावित नागरिक अशांति या आपातकालीन स्थितियों का संकेत देता है। जियांग की भविष्यवाणियों में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला दावा अमेरिकी और वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रातः हनुमान अष्टक का पाठ करके ही दिन की शुरुआत करें। कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोतरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। गाय को गुड खिलाए पैसो की तंगी जरूर दूर होगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह ओंकार का मानसिक ध्यान और ध्वनि करें दिनभर सकारात्मकता रहेगी। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आप का मार्गदर्शक बनेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रोज सुबह शिवपूजन करके घर मे शंख की ध्वनि करें उर्जावान रहोगे आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। बेरोजगारी दूर होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह हनुमानजी को चमेली का तेल अर्पित करें क्योंकि दिन सामान्य रहेगा। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। लाल चीटियों को आटा डाले मुसीबत दूर होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

भविष्य के लिए नये निवेश के बारे मे प्लानिंग करेंगे जिससे आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। आज परिवार के खुली हवा मे घूमने जाएंगे थकान एकदम दूर होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज किसी भी धार्मिक ग्रंथ का श्रवन करें पाठ करें आपका दिन बेहतर रहेगा। आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें डिनर मे हल्का भोजन करना ही उचित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्त्रीवर्ग को कुछ उपहार भेंट करे कार्य सिद्धि होगी खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। आज यात्रा का नही हैं शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह अन्नदान करके ही दिन शुरू करें आज दिनलड़न में बीतेगा। तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। अपने खर्चा पर नियंत्रण रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत बढीया दिन हैं रिस्क मे भी सफलता सुनिश्चित हैं अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। आप भाग्य प्रबल है क्योंकि आप का लाईफ पाटनर आप को प्रत्येक परिस्थितियों मे साथ देगा आप का मनोबल बढाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप के सीनियर्स आप के काम से सन्तुष्ट होंगे अच्छी खबर मिलेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। आज बेरोजगारी दूर होगी नौकरी मे सफलता मिलेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को अपनी गुप्त बातो को सभी के सामने नही रखनी चाहिए अति विश्वास मित्र अथवा सहयोगी के साथ मंत्रणा करनी चाहिए आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। आप अविवाहित हैं तो हनुमानजी का पूजन करें सम्बन्ध सुनीश्चित होगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी विरोधियों से सतर्क रहना होगा अपनी निवेश की योजनाएं गुप्त रखनी पडेगी। कोई आपको नुकसान पहुंचा सकता है। किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। अपनी वाणी पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की जरूरत हैं आप का क्रोध आप की भविष्योन्मुखी योजनाओं पर विराम लगा देगा आप के लोगों से मधुर सम्बन्ध भी धूमिल होंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 सितंबर 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 02:44 तक
नक्षत्र : पुष्य सायं 04:40 तक
योग : परिघ रात्रि 12:40 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:44 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 सूर्यास्त 06:25 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भौम प्रदोष व्रत , वत्स द्वादशी , बछ बारस, गण्डमूल सायं 04:41 से , पर्युषण पर्व आरंभ जैन समाज

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अग्रवाल समाज वारंगल–हनमकोंडा शाखा में महिला शाखा का शुभारंभ

समग्र विकास के लिए 1.11 लाख की सहायता की घोषणा

वारंगल/हनमकोंडा, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की वारंगल–हनमकोंडा शाखा में नवगठित महिला शाखा का शुभारंभ रविवार को नवनिर्मित अग्रवाल भवन में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में हुआ। इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के अध्यक्षों ने उपस्थित होकर नवगठित महिला शाखा की टीम का स्वागत किया तथा समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

वारंगल–हनमकोंडा के विकास के लिए 1.11 लाख रुपये की घोषणा

कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल ने वारंगल–हनमकोंडा के समग्र विकास के लिए 1,11,000 रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्थानीय शाखा इस सहयोग का उपयोग समाज की गतिविधियों एवं विकास कार्यों को और गति देने में करेगी। घोषणा का उपस्थित सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल ने किया शाखा का दौरा

केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल में कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सी.ए. हरिगोविंद अग्रवाल, संयुक्त सचिव प्रतीक कुमार नासरिया, कोषाध्यक्ष सी.ए. राजगोपाल अग्रवाल, मुख्य जोनल समन्वयक सुरेश कुमार टंडन तथा दक्षिण जोनल समन्वयक अलका मिंडा शामिल रहे।

इनके साथ पश्चिम जोन उप–जिला समन्वयक उमाशंकर गोयनका, मेडिकल हेल्प समिति के अध्यक्ष एवं हैदराबाद सेंट्रल शाखा के संस्थापक अध्यक्ष सुनील कनोडिया, युवा कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, अग्रसेन सेतु शाखा के आशीष एवं सोनिया तथा मलाकपेट शाखा अध्यक्ष एवं तंबोला कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष पंकज संघी सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल का नवनिर्मित अग्रवाल भवन में स्थानीय शाखा पदाधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। महिला शाखा के शुभारंभ से पूर्व प्रतिनिधिमंडल ने 700 वर्ष पुराने श्रीराम मंदिर में भगवान श्रीराम, माता जानकी एवं लक्ष्मण जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्थानीय अग्रवाल समाज शाखा द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया है। इसके पश्चात प्राचीन शिव मंदिर में भी पूजा–अर्चना की गई।

पंकज संघी ने साझा किया भावपूर्ण अनुभव

इस दौरान पंकज संघी ने शिव मंदिर से जुड़ा अपना भावपूर्ण अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने पूर्व में अपनी पुत्री के लिए चिकित्सा महाविद्यालय में सीट मिलने की मनोकामना भगवान शिव के समक्ष रखी थी। मनोकामना पूर्ण होने के बाद वे पुनः उसी मंदिर में भगवान शिव के दर्शन एवं आशीर्वाद लेने पहुंचे।

महिला शाखा की नई टीम

महिला शाखा के शुभारंभ के अवसर पर नई टीम का परिचय कराया गया। सरोज गोयल को अध्यक्ष, संगीता चौधरी को उपाध्यक्ष, कंचन अग्रवाल को सचिव, मीना अग्रवाल को संयुक्त सचिव, ललिता गोयल को कोषाध्यक्ष तथा संगीता नरेड़ी को कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई।

केंद्रीय पदाधिकारियों ने नवगठित महिला शाखा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से समाज की सेवा गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों को नई ऊर्जा मिलेगी।

सदस्यता एवं डिजिटल सुविधाओं पर विशेष जोर

कार्यक्रम में प्रतीक कुमार नासरिया एवं सी.ए. हरिगोविंद अग्रवाल ने अग्रवाल समाज तेलंगाना की विभिन्न योजनाओं और पहलों की जानकारी दी।

प्रतीक कुमार नासरिया ने समाज की परस्पर संवाद वाली वाट्सऐप सुविधाओं एवं डिजिटल मंच के बारे में विस्तार से बताया, जिसके माध्यम से सदस्य विशेषाधिकार कार्ड, नए सदस्य का पंजीकरण तथा विशेषाधिकार कार्ड से जुड़े प्रतिष्ठानों एवं उपलब्ध छूट की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को स्वतंत्र सदस्य के रूप में जोड़ने, बच्चों को आश्रित सदस्य के रूप में पंजीकृत करने तथा कर्मचारियों को कर्मचारी विशेषाधिकार कार्ड से जोड़ने पर जोर दिया। युवाओं से डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए अधिकाधिक सदस्यों को समाज से जोड़ने का आह्वान किया गया।

बैठक में आगामी नौ दिवसीय डांडिया महोत्सव, समाज के विभिन्न चल रहे कार्यक्रमों एवं सेवा गतिविधियों पर भी चर्चा हुई।

वारंगल–हनमकोंडा की महिला, पुरुष एवं युवा शाखाओं को हैदराबाद में आयोजित होने वाले अग्रसेन जयंती समारोह में सामूहिक रूप से भाग लेने का निमंत्रण दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुरुष एवं युवा शाखाओं के पदाधिकारियों का भी परिचय कराया गया। कार्यक्रम का समापन केंद्रीय समिति एवं वारंगल–हनमकोंडा शाखा के बीच बेहतर समन्वय, महिला शक्ति की सक्रिय भागीदारी तथा समाज के समग्र विकास के संकल्प के साथ हुआ।

सेवा का पर्याय बन चुका है राधे–राधे ग्रुप : बीना गुप्ता

हैदराबाद। सेवा, समर्पण और मानवता की भावना को लेकर निरंतर कार्य कर रहा राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद अब जरूरतमंदों के लिए सेवा का मजबूत माध्यम बनता जा रहा है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक पर सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बीना गुप्ता ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप आज सेवा का पर्याय बन चुका है। समूह द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान सहित विभिन्न सेवा कार्य समाज में मानवता और परोपकार की भावना को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध करवाना केवल एक सेवा नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ी सेवा में से एक है और इस कार्य में सहभागी बनना सभी के लिए सौभाग्य की बात है।

बीना गुप्ता ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप जिस निरंतरता और समर्पण के साथ सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में प्रेरणादायी है। समूह से जुड़े सदस्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज में जब सेवा की भावना मजबूत होती है, तो आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना भी बढ़ती है।

उन्होंने राधे–राधे ग्रुप के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि सेवा कार्यों की सफलता के पीछे प्रत्येक सदस्य का सहयोग और समर्पण महत्व–पूर्ण है। नियमित रूप से होने वाले अन्नदान कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल जरूरतमंदों को भोजन मिल रहा है, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी सेवा कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा मिल रही है।

इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से श्रीमती बीना गुप्ता का स्वागत एवं सम्मान किया गया। सदस्यों ने उनका अभिनंदन करते हुए सेवा कार्यों में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को इसी प्रकार निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक अन्नदान की सेवा पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा का यह अभियान आगे भी पूरी निष्ठा, श्रद्धा और समर्पण के साथ जारी रहेगा।

महिला पत्रकारों पर हमले के विरोध में निज़ामाबाद प्रेस क्लब का प्रदर्शन

निज़ामाबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिल्ली में मुस्लिम महिला पत्रकारों पर कथित हमलों के विरोध में सोमवार को निज़ामाबाद प्रेस क्लब के नेतृत्व में पत्रकारों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में उर्दू, तेलुगु, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सामाजिक माध्यमों से जुड़े पत्रकारों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर एकजुटता दिखाई। प्रेस क्लब के अध्यक्ष पंचा रेड्डी श्रीकांत, डॉ. वाघमारे सुभाष तथा उर्दू जर्नलिस्ट एसोसिएशन के वरिष्ठ नेता पप्पा खान ने पत्रकारों पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई तथा उन्हें तत्काल ड्यूटी से हटाने की मांग की। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों से विशेष कानून बनाने की भी मांग की। इससे पूर्व जिला पुलिस आयुक्त श्री साई चैतन्य को ज्ञापन सौंपा गया। बाद में पत्रकारों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर भी ज्ञापन दिया और दिल्ली में महिला पत्रकारों पर हुए कथित हमलों की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में राज कुमार, राजू, भास्कर गौड़, स्वामी, प्रीतम रेड्डी, रविचर रेड्डी, रतन रेड्डी सहित विभिन्न पत्रकार संगठनों के नेता एवं बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

बीआरएस ने प्रजावाणी में दी शिकायत

मदनूर, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार पर चुनावी वादों और गारंटियों को पूरी तरह लागू नहीं करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को स्थानीय मंडल विकास कार्यालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में शिकायत दर्ज कराई। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हनमंत शिंदे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पात्र परिवारों को चुनावी वादों के अनुसार विभिन्न योजनाओं का लाभ देने की मांग की। पूर्व विधायक शिंदे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी 420 चुनावी वादों, 13 घोषणाओं और 6 गारंटियों के आधार पर सत्ता में आई थी तथा 100 दिनों में वादे पूरे करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कई वादे लागू नहीं किए गए हैं। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक सहायता, किसानों को फसल सहायता व बोनस, कृषि श्रमिकों को वार्षिक सहायता, जरूरतमंदों को इंदिरम्मा आवास, बेरोजगार युवाओं को रोजगार व बेरोजगारी भत्ता तथा विद्यार्थियों की लंबित फीस का भुगतान करने की मांग की।

निज़ामाबाद सिखवाल समाज ने धूमधाम से मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

निज़ामाबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निज़ामाबाद सिखवाल समाज के तत्वावधान में यजमान छोगालाल बद्रीलाल व्यास परिवार के यजमानी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव रामगोपाल विधि स्थित सिखवाल भवन सत्यानारायण मंदिर में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भजन–कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नंद बाबा एवं यशोदा मैया द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को टोकरी में लेकर यमुना पार ले जाने की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई। इसके बाद महिलाओं ने भजन प्रस्तुत किए, वहीं पुरुषों ने भी भजन–कीर्तन में भाग लिया। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के अवसर पर दही–हांडी फोड़ी गई तथा आरती की गई। इसके पश्चात माखन–पंजीरी के प्रसाद का वितरण किया गया।कार्यक्रम में समाज के पुरुषों, महिलाओं, युवक–युवतियों तथा बालक–बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर समाज के उपाध्यक्ष भगवान नागला, मंत्री घनश्याम उपाध्याय सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

यादगिरीगुट्टा मंदिर में एकादशी लक्ष पुष्पार्चन संपन्न

यादगिरिगुट्टा, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को यादगिरीगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी मंदिर में शास्त्रोक्त विधि एवं भक्तिभाव के साथ एकादशी पूजा संपन्न हुई। एकादशी पर्व के अवसर पर मुख्य मंदिर के मुखमंडप में भव्य एकादशी लक्ष पुष्पार्चन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पुजारियों ने पूजा की मूर्तियों को रेशमी वस्त्रों से आकर्षक रूप से सजाकर विशेष मंच पर विराजमान किया। इसके बाद भगवान को विभिन्न प्रकार के सुगंधित पुष्पों से एक लाख पुष्प अर्पित किए गए। पुजारियों ने पंचरात्रागम शास्त्र परंपरा के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा–अर्चना की।

पुष्पार्चन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। भगवान के नामस्मरण एवं वैदिक मंत्रों के उच्चारण से श्रद्धालु विशेष रूप से प्रभावित हुए। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी, वैदिक विद्वान, अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रजावाणी आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश

पेद्दापल्ली, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में जनता से आवेदन प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने तथा आवेदनों को लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रजावाणी आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीरामुलु भी मौजूद रहे।कार्यक्रम में भूमि विवाद, रोजगार, आवास और अवैध निर्माण से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में जिला अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतस की यात्रा : आस्था, वंदना और संस्कार

जैन मंदिरों के दर्शन से आध्यात्मिक अनुभूति, शिक्षक दिवस पर गुरुजनों के प्रति जताया सम्मान

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरोही जैन संघ टेम्पल रन के अंतर्गत जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि तीनों टीमों नारी–शक्ति, आदि–शक्ति और सहन–शक्ति ने हैदराबाद, सिकंदराबाद एवं बोलाराम स्थित विभिन्न जैन मंदिरों में दर्शन एवं पूजा–अर्चना की। इस अभियान के दौरान ऐसे कई मंदिरों के दर्शन करने का अवसर मिला, जिनके बारे में पहले जानकारी भी नहीं थी। मंदिरों के दर्शन से धार्मिक स्थलों की जानकारी प्राप्त होने के साथ–साथ भक्ति एवं आध्यात्मिकता की अनुभूति भी हुई। इसी क्रम में शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर डॉ. वी.के. त्रिवेदी, गुलाबचंद देवड़ा, चंदाबेन एम. चौधरी, कृष्णाबेन सिंघी (बीबा बेन), बलवीर मर्डिया, ऊषाबेन मर्डिया एवं रमेश नैनमलजी सिंघी सहित सभी मित्रगणों ने अपने प्रिय गुरुजनों का स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। भेरूतारक तीर्थ धाम, अनादरा से श्रीमती कमीबेन प्रकाशचंदजी मंगलचंदजी राठौड़ की ओर से चातुर्मास के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक मंगलकामनाएं एवं कुशलक्षेम प्रेषित किया गया। इसी क्रम में सुरजाबेन भोर्डतरिया, रेनूबेन कांकरिया, लीला बेन परमार, ललित बी. संघवी, अशोक कांकरिया सहित सभी श्रद्धालुओं एवं समाजजनों का भी स्नेहपूर्वक कुशलक्षेम पूछा गया। श्रीमती टीपूबेन अभयचंदजी भाणाजी परिवार, सिरोही, जो सम्पूर्ण चातुर्मास के लाभार्थी परिवार हैं, ने इस पावन अवसर पर सिरोही में सभी की साता पूछते हुए सभी के स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

आशा कार्यकर्ताओं की मांगों का तत्काल समाधान हो

पेद्दापल्ली, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दासारी ममता रेड्डी ने कलेक्ट्रेट के सामने आशा कार्यकर्ताओं के धरने को समर्थन देते हुए उनकी जायज़ मांगों का तत्काल समाधान करने की मांग की। मनोहर रेड्डी ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं पर लगाए गए अतिरिक्त कार्यभार व लक्ष्यों को हटाने, रिक्त पद भरने, उन्हें बीएलओ कार्य से मुक्त करने तथा 18 हजार रुपये मासिक निश्चित वेतन और स्वास्थ्य कार्ड देने की मांग जायज़ है। ममता रेड्डी ने भी सरकार से उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान करने का आग्रह किया। इस दौरान आशा कार्यकर्ता, बीआरएस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महाभारत कथा : भगवान कृष्ण का अवतरण यदु- कुल में

कुरु-वंश और यदु-वंश से जुडी इस श्रृंखला में आज पढते हैं, यदु वंश की शुरुआत के बारे में और भगवान श्री कृष्ण के जन्म के बारे मेंज

सद्गुरु : यदु को उसके पिता ययाति ने श्राप दिया था कि वह कभी राजा नहीं बन सकता। वह दक्षिण की ओर आज के मथुरा शहर चला आया और नागा जनजाति में विवाह कर लिया। उस जनजाति में राजा नहीं होतेथे, एक परिषद शासन चलाती थी।यदु उस शासक परिषद में शामिल हो कर उसका मुखिया बन गया। उसके बच्चों से अलग-अलग वंश परंपराएं निकलीं जैसे अंधक, भोजक और वृष्णि, जो साथ मिलकर यादवों के नाम से मशहूर हुईं।

कुछ पीढियों के बाद यदु वंश में वासुदेव का जन्म हुआ। उनकी दो पत्नियां, देवकी और रोहिणी थीं। देवकी का एक सौतेला भाई था, कंस, जो जबरन बनाए गए संबंध यानी बलात्कार से पैदा हुआ था। उन दिनों हर कहीं यह परंपरा थी कि चाहे बच्चे का जन्म किसी भी तरह हुआ हो, वह अपनी मां के वंश का एक वैध हिस्सा बन जाता था। मगर यादवों ने कंस को नहीं अपनाया और उसे अवैध सन्तान कहकर दुत्कार दिया। वह एक महान योद्धा था, फिर भी उन्होंने उसे शासक परिषद में शामिल करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह बहुत दुष्ट और असभ्य था। कंस ने पूरब के एक महान राजा जरासंध से दोस्ती कर ली। जरासंध के समर्थन के कारण बहुत से लोग कंस के साथ हो गए। यादव वंश में पहली बार ऐसा हुआ था कि किसी ने बुजुर्गों की परिषद को खारिज करके खुद को राजा घोषित कर दिया था। राजा बनने के बाद कंस ने अपनी निर्विवाद सत्ता स्थापित कर ली और अपने असभ्य तरीकों से राजपाट चलाने लगा। उसके शासन में लोग काफी दुखी थे, मगर कोई उसका विरोध करने का साहस नहीं करता था क्योंकि उसका मित्र जरासंध एक शक्तिशाली राजा था। कंस को श्राप मिला हुआ था कि उसकी बहन के आठवें बच्चे के हाथों उसका वध होगा। जब उसे इस बात का पता चला, तो उसने देवकी और वासुदेव को जेल में डाल दिया। वह गिनती करके सिर्फ आठवें बच्चे को मार सकता था मगर वह कोई खतरा नहीं उठाना चाहता था। जिस दिन पहले बच्चे का जन्म हुआ, कंस ने जेल में जाकर नवजात शिशु को पैरों से उठाया और फर्श पर पटक दिया। उसकी मां भय और दुख से हक्की-बक्की रह गई, मगर जेल में कैद होने के कारण वे कुछ नहीं कर सकते थे। अगले बच्चे का जन्म हुआ, कंस ने फिर से आकर उसे पटक कर मार डाला। इसके विस्तार में मैं नहीं जाऊंगा। उसके बाद वासुदेव और देवकी ने यह सुनिश्चित किया कि सातवां बच्चा बलराम, वासुदेव की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में चला जाए , जो नदी के दूसरी ओर गोकुल में रहती थी।

भगवान कृष्ण का अवतरण

फिर आठवें बच्चे कृष्ण का जन्म होना था। वे इस बच्चे को बचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित थे, सिर्फबच्चे के लिए नहीं बल्कि इसलिए भी कि वे कंस के अत्याचार को समाप्त करना चाहते थे। उन्होंने तंत्र विद्या से जेल के रक्षकों को सुला दिया। गोपों के मुखिया नंद और उनकी पत्नी यशोदा नदी के उस पार रहते थे। यशोदा ने अभी-अभी एक बच्ची को जन्म दिया था। वासुदेव ने नवजात कृष्ण को नंद और यशोदा को सौंप दिया और उस नवजात बच्ची को अपने साथ जेल में ले गए। सुबह जब कंस जेल में आया तो लडकी को देखकर हैरान रह गया क्योंकि आठवां बच्चा लडका होना चाहिए था, जो उसे मारता। मगर फिर भी कंस अपने जीवन पर कोई खतरा नहीं चाहता था। कौन जाने लडकी कब लडके में बदल जाए।

वह उसे उठाने ही वाला था कि देवकी ने उससे प्रार्थना की, 'देखो, यह तो एक लडकी है। यह तुम्हें नहीं मार सकती। इसकी शादी हो जाएगी और यह अपने घर चली जाएगी। कृपया इसका जीवन बख्श दो।' कंस ने कहा, 'ऐसा हरगिज नहीं हो सकता। मैं कोई खतरा क्यों मोल लूं' वह लडकी को उठाकर उसे पटकने ही वाला था, मगर वह नीचे नहीं गिरी।

अर्धनारीश्वर है मां सिद्धिदात्री का स्वरूप

मां सिद्धिदात्री मां का नवां स्वरूप हैं। नवरात्रि के नौंवे दिन मां के इस स्वरूप की पूजा की जाती है। मां सिद्धिदात्री देवी की आराधना करने से आपकी योग्यता और शक्ति में बढोतरी होती है। मां का यह स्वरूप अर्धनारीश्वर के रूप में भी विख्यात है।

पूजन विधि कंडे (गाय के गोबर के उपले) जलाकर उसमें घी, हवन सामग्री, बताशा, लौंग का जोडा, पान, सुपारी, कपूर, गूगल, इलायची, किसमिस, कमलगट्टा अर्पित करें। नवरात्र के नौंवे दिन हवन में मां सिद्धिदात्री की इन मंत्रों के उच्चारण के साथ पूजा करें।

मां सिद्धिदात्री का स्वरूप

सिद्धिदात्री के चार हाथ हैं। एक हाथ में उन्होंने चक्र धारण किया हुआ है और दूसरे हाथ में गदा है। तीसरे हाथ में शंख है तो चौथे हाथ में कमल का फूल लिए हुए हैं। मां सिद्धिदात्री कमल के फूल पर आसीन हैं। इनका वाहन सिंह है। ऐसा माना जाता है की मां का यह स्वरुप भक्त की 26 अलग-अलग मनोकामनाओं को पूरा कर सकता है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार मां सिद्धिदात्री की पूजा से अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व जैसी आठ सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। ब्रम्हावैवर्त पुराण के श्रीकृष्ण जन्मखंड के अनुसार मां सिद्धिदात्री की पूजा से 18 तरह की सिद्धियों का आशीर्वाद पाया जा सकता है। देव, दानव, गन्धर्व, किन्नर, मानव, यक्ष, सभी मां सिद्धिदात्री की आराधना करके आशीर्वाद पाते हैं।

नौंवे दिन हवन में मां सिद्धिदात्री के इस मंत्र का उच्चारण करें -

ऊँ ह्रीं सः सिद्धिदात्यैं नमः ।।

भक्त की 26 अलग मनोकामनाओं को पूरा करती हैं मां

मां की आराधना से मिलती हैं सिद्धियां

भगवान शिव ने भी इन्हीं देवी की कृपा से यह तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं। इस देवी की कृपा से ही शिवजी का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण शिव अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए। विधि-विधान से नौंवे दिन इस देवी की उपासना करने से सिद्धियां प्राप्त होती हैं। यह अंतिम देवी हैं। इनकी साधना करने से लौकिक और परलौकिक सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति हो जाती है।

वास्तु विज्ञान भारत का अत्यंत प्राचीन ज्ञान है

सब सही होते हुए भी कभी कभी हमें परेशानियों का सामना करना पडता है, ऐसा क्यों क्या ये सब कहीं वास्तु दोष के कारण तो नहीं है । इस संसार में हर व्यक्ति चाहता है कि वह जीवन में खूब सफलता प्राप्त करें । उसे धन, यश, ऐश्वर्य, प्रसन्नता, अच्छा परिवार, अच्छा स्वास्थ्य सभी कुछ प्राप्त हो, इसके लिए वह दिन रात मेहनत करता है, सदैव प्रयत्नशील रहता है लेकिन फिर भी सभी को उपरोक्त सुख सुविधाओं की प्राप्ति नहीं ही होती है । कई बार जब बहुत जी तोड मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिलती है, जीवन में अस्थिरता रहती है या कोई ना कोई परेशानी लगी ही रहती है तो व्यक्ति निराश होने लगता है । लेकिन इसका कारण उसके भवन, कार्यालय स्थल का वास्तु दोष हो सकता है । जी हाँ, जिस जगह हम अपने जीवन का अधिकांश, महत्वपूर्ण समय बिताते है अगर उसी में दोष है तो लाख चाह कर भी, बहुत प्रयास के बाद भी हमें अपने परिश्रम का श्रेष्ठ परिणाम मिलने में आशंका बनी रहती है ।

पहले समय में भवन की आयु न्यूनतम 100 वर्ष मानी जाती थी । भवन के स्वामी के पुत्र पौत्र आदि उसमे मिलकर लम्बे समय तक निवास करते थे , उस भवन के साथ लोगो की बहुत सी यादें जुडी होती थी और कोई भी व्यक्ति चाहे जितना भी संकट में क्यों ना हो वह उसको बेचने के बारे में सोचता भी नहीं था परन्तु यह बहुत ही खेद का विषय है कि आज वास्तु / ज्योतिष के अनुसार भवन की आयु घट कर लगभग 40 वर्ष ही रह गयी है । इन सबका एक प्रमुख कारण वास्तु के नियमो की पूर्णतया अवहेलना करना है । यदि हमारा भवन वास्तु के अनुरूप है तो वहाँ पर ना केवल परस्पर प्रेम, हर्ष, उल्लास और निरोगिता ही रहेगी वरन वहाँ

के निवासियों केविद्धवान, संस्कारी होने की भी बहुत सम्भावना बड जाती है। उन्हें जीवन में धन यश और सफलता की भी आसानी से प्राप्ति होती है । यह ब्रहमाण्ड और हम सभी मनुष्य पंच तत्व से बने है। इन पंच तत्वों जल, पृथ्वी, वायु, अग्नि और आकाश का इस पूरी सृष्टि, समस्त जीवों पर गहन प्रभाव है। अगर इनका संतुलन बिगडा रहता है तो जीवन में सदैव परेशानियाँ बनी ही रहती है । लेकिन वास्तु द्वारा इन्ही पंच तत्वों जल, पृथ्वी, वायु, अग्नि और आकाश के बीच की परस्पर क्रिया को ध्यान में रखकर इस प्रकृति के साथ संतुलन बनाते हुए निश्चय ही श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किये जा सकते है ।

वास्तु विज्ञान भारत का अत्यंत प्राचीन ज्ञान है जिसकी हमारे ऋषि मुनियों ने अपने अथक प्रयास से मानव जीवन को सुगम बनाने के लिए रचना की है। वास्तु 'वस' शब्द से बना है जिसका अर्थ है वास करना । वास्तु का संस्कृत में अर्थ है मनुष्य एवं देवताओं का निवास स्थान । वास्तु केवल भवन निर्माण कला ही नहीं है वरन वास्तु में सम्पूर्ण देश, राज्य, नगर, भवन, हमारे बैठने ,सोने, खाना बनाने, भण्डारण, पूजा स्थल, स्नानघर आदि एवं निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सभी सामग्रियाँ आती है । इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण है कि वास्तु के सिद्धांतों का पालन करके बनाये गए निर्माणों में धन यश एवं मनवांछित सफलता की अल्प प्रयासों से ही प्राप्ति हो जाती है। भारतीय शास्त्रों में प्रत्येक छोटे बडे स्थान के देवता के रूप में वास्तुपुरुष को मान्यता दी गयी है । किसी भी भवन के निर्माण के समय वास्तु पुरुष की पूजा अनिवार्य मानी जाती है जिससे भवन के निवासियों को जीवन में सभी तरह के सुखों के साथ साथ धर्म, अर्थ,काम और मोक्ष की प्राप्ति हो। प्रत्येक भवन में वास्तुपुरुष का अस्तित्वं माना जाता है । वास्तुपुरुष भवन में अपने हाथ पैरों को एक विशेष समय में मोडकर उलटे लेते रहते है । भवन में वास्तु पुरुष का सर ईशान कोण एवं उनके पैर नैत्रत्य कोण में माने जाते है।

वास्तु दोष :- अगर आपके भवन में रहने वाले लोग बार बार बीमार पडते है, उस भवन में रहने वालो के बीच आये दिन कलह रहती है, पर्याप्त मेहनत के बावजूद भी धन की कमी रहती है, अनावश्यक खर्चो का सामना करना पडता है, बनते हुए कार्यों में अडचने आ जाती है, संतान मनमाना कार्य करती है, भवन में रहने वाले तनाव में रहते है।

भवन में भय लगना है, रात में बुरे बुरे सपने आते है, भवन के आसपास या चमगादड नजर आते है तो आपके भवन में वास्तु दोष हो सकता है इसका तुरंत उपाय करें अन्यथा शायद जीवन भर पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ ना लगे ।

गजानन की जिहा देती है यह सीख

गजानन रूप में भी हम भगवान गणेश की वंदना करते हैं। गजानन अर्थात हाथी के मुख वाला। हाथी की जीभ अन्य प्राणियों से अनोखी होती है। गणेशजी के इस रूप में वाणी का महत्व प्रतिपादित होता है। मनुष्य की उत्तम वाणी महत्व को बढाती है और दोषपूर्ण वाणी सम्मान कम करती है। हाथी की जीभ तो बाहर निकलती ही नहीं। यह तो मुख के भीतरी भाग में है। अर्थात इससे वाणी के अनर्थ का भय नहीं है और संयम की सीख है। गजा का अर्थ उन ऋषियों और योगियों से भी जुडता है जो समाधि में बैठे रहते हैं और जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त करते हैं। गणेश अपने इस रूप में हमें पदार्थगत वासना से उबरकर मोक्ष की राह तलाशने की सीख देते हैं। भगवान गणेश का यह रूप यह भी सीख देता है कि जिस तरह हाथी संयमित जीवन से 120 वर्ष जी सकता है मनुष्य भी नियंत्रण से लंबा और सुखी जीवन बिता सकता है।

इस तरह के उपाय से घर में हो रहे कलह-कलेश को दूर कर सुख-शांति पा सकते हैं

जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। दाम्पत्य जीवन सुखी हो ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। शुक्ल पक्ष में पडने वाले किसी शुक्रवार के दिन पत्नी अपने हाथों से प्रेम पूर्वक साबूदाने की खीर बनाएं लेकिन उसमें शक्कर के स्थान पर मिश्री डालें। इस खीर को सबसे पहले भगवान को अर्पित करें और इसके बाद पति-पत्नी थोडी-थोडी एक-दूसरे को खिलाएं। भगवान से सुखमय दाम्पत्य की कामना करें। इस दिन किसी लक्ष्मी मंदिर में जाकर इत्र का दान करें। अपने शयनकक्ष में इत्र कदापि न रखें। कुछ दिनों तक यह प्रयोग करते रहें । कुछ ही दिनों में दाम्पत्य जीवन सुखी हो जाएगा। बरगद(बड) के पत्ते को गुरु पुष्य या रवि पुष्य योग में लाकर उस पर हल्दी से स्वस्तिक बनाकर घर में रखें। घर के मुख्य द्वार के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा अथवा चित्र इस प्रकार लगाएं कि उनका मुख घर के अंदर की ओर रहे। उस पर सुबह दूर्वा अवश्य अर्पित करें।

धन संबंधी कार्य सोमवार एवं बुधवार को करें। नए कार्य, व्यवसाय, नौकरी, रोजगार आदि शुभ कार्यों के लिए जाते समय घर की कोई महिला एक मुठ्ठी काले उडद उस व्यक्ति के ऊपर से उतार कर भूमि पर छोड दे तो हर कार्य में सफलता मिलेगी। गरीब, असहाय, रोगी व किन्नरों की सहायता दान स्वरूप अवश्य करें। यदि संभव हो तो किन्नरों को दिए पैसे में से एक सिक्का वापस लेकर अपने कैश बॉक्स या लॉकर में रखें। इससे लाभ होगा। काली हल्दी की एक गांठ शुभ मुहूर्त में प्राप्त कर अपने घर में, व्यवसायी अपने कैश बॉक्स में तथा व्यापारी अपने गल्ले में रखें। रवि पुष्य नक्षत्र के शुभ मुहूर्त में बहेडे की जड या एक पत्ता तथा शंखपुष्पी की जड लाकर घर में रखें। चांदी की डिब्बी में रखें तो और भी शुभ रहेगा।

टोटके करते समय इनका ध्यान रखें-

दिशा-निर्देश- सम्मोहन सिद्धि, देव कृपा प्राप्ति अथवा अन्य शुभ एवं सात्विक कार्यों की सिद्धि के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके टोटके किए जाते हैं। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा व लक्ष्मी प्राप्ति के लिए किए जाने वाले टोटकों के लिए पश्चिम दिशा की ओर मुख करके बैठना शुभ होता है। उत्तर दिशा की ओर मुख करके उन टोटकों को किया जाता है जिनका उदेश्य रोगों की चिकित्सा, मानसिक शांति एवं आरोग्य प्राप्ति होता है।

रोग मुक्ति के लिए किए जाने वाले टोटकों के लिए मंगलवार एवं श्रावण मास उत्तम समय है। मां सरस्वती की प्रसन्नता व शिक्षा में सफलता के लिए बुधवार एवं गुरुवार तथा माघ, फाल्गुन और चैत्र मास में टोटका करना चाहिए। संतान और वैभव पाने के लिए गुरुवार तथा आश्विन, कार्तिक एवं मार्गशीर्ष मास में टोटकों का प्रयोग करना चाहिए।

नानक की योग्यता देखकर उनके गुरु भी थे हैरान

पंजाब का एक छोटा सा शहर तलवंडी में कालूराय बेदी की पत्नी तृप्ता देवी के गर्भ से एक शिशु का जन्म हुआ। यह शिशु बालक था, जिसने बडे होकर अपना समूचा जीवन धार्मिक कट्टरता और धर्म के नाम पर होने वाले अत्याचारों और अनाचारों का विनाश करने के लिए समर्पित कर दिया। कालूराय बेदी तलवंडी के शासक राय दुलार के प्रधान पटवारी थे। साथ ही अत्यधिक विश्वासपात्र भी। उनका घर धन-धान्य से भरा हुआ था। इसलिए शिशु का जन्मोत्सव बहुत धूम-धाम से मनाया गया। तृप्ता देवी ने पुत्री नानकी के जन्म के बाद एक पुत्र को जन्म दिया था। पुत्री का नाम नानकी इसलिए रखा गया क्यों कि उसका अधिक समय ननिहाल में ही गुजरा था। इसलिए बालक को बहिन के नाम का पर्याय देते हुए नानक के रूप में बुलाया जाने लगा।

बचपन से ही नानक में विलक्षण प्रतिभाएं देखने के मिलने लगीं थीं। वह किसी भी पेड के नीचे बैठकर 'सत करतार' का जप किया करते थे। पांच वर्ष की उम्र में ही उनकी पढाई शुरु हो गई। उनके पहले गुरु बने पंडित गोपाल के पास जाने लगे। वह इतने कुशाग्र बुद्धि के थे कि कुछ दिनों में ही पं.गोपाल मान गए कि वह जितने पढे लिखे हैं उससे कहीं अधिक ज्ञान नानक जी को है। इसके बाद नानक जी की फारसी शिक्षा शुरू हुई। उनको फारसी की शिक्षा देने के लिए मौलवी कुतबुद्दीन के पास भेज दिया गया। लेकिन मौलवी ने कुछ दिनों बाद कालूराय जी को बताया कि यह बालक फारसी का विद्वान है। नानक की योग्यता देखकर उनके दोनों गुरु ही हैरान थे।

'जय महासर धाम' फिल्म के चारों शो हाउसफुल, दो थिएटरों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

श्री महासर माता भक्त मंडल, भाग्यनगर ने रचा इतिहास, करीब 1,400 सीटों की कराई बुकिंग

श्री महासर माता भक्त मंडल, भाग्यनगर के तत्वावधान में 'जय महासर धाम' फिल्म का भव्य प्रदर्शन नामपल्ली स्थित रुंगटा सिनेमा के दो थिएटरों में किया गया। भक्तिमय वातावरण में आयोजित इस विशेष प्रदर्शन को लेकर महासर माता के भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। फिल्म के चारों शो हाउसफुल रहे और बड़ी संख्या में भक्तों ने फिल्म का दर्शन कर महासर माता की भक्ति एवं महिमा का आनंद लिया।

मंडल के मंत्री श्री दिनेश कुमार ने बताया कि 'जय महासर धाम' एक सुंदर एवं भक्तिमय फिल्म है। फिल्म के निर्माता श्रीधर गुप्ता ने अत्यंत सराहनीय प्रयास करते हुए इसका निर्माण किया है। वहीं निर्देशक सन्नी पी. अग्रवाल ने फिल्म का प्रभावशाली निर्देशन किया है। फिल्म के कलाकारों ने भी उत्कृष्ट अभिनय प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि फिल्म ने भक्तों के बीच महासर माता के प्रति श्रद्धा एवं आस्था को और अधिक मजबूत करने का कार्य किया है।

समाजसेवी शशिकांत अग्रवाल ने फिल्म देखने के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि फिल्म के माध्यम से महासर माता की संपूर्ण कथा की जानकारी मिली। फिल्म देखते समय ऐसा अनुभव हुआ, मानो स्वयं महासर माता ने साक्षात दर्शन दिए हों।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि गोविंद अग्रवाल, नारनौली की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने 'जय महासर धाम' फिल्म के प्रदर्शन एवं इस भक्तिमय आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। उनके सहयोग के लिए श्री महासर माता भक्त मंडल, भाग्यनगर की ओर से शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा आभार व्यक्त किया गया।

श्री महासर माता भक्त मंडल की ओर से फिल्म के लिए लगभग 1,400 सीटों की बुकिंग कराई गई थी। फिल्म देखने पहुंचे सभी भक्तों को पॉपकॉर्न, थम्सअप एवं प्रसाद के डिब्बे भेंट किए गए। फिल्म को लेकर शुरुआत से ही भक्तों में अत्यंत उत्साह और सकारात्मक रुझान देखने को मिला। टिकट उपलब्ध नहीं होने के कारण कुछ भक्तों को निराश भी होना पड़ा।

फिल्म देखने के बाद भक्तों ने इसकी कहानी, निर्देशन, अभिनय तथा महासर माता की भक्ति को अत्यंत सराहनीय बताया। सभी ने फिल्म की भरपूर प्रशंसा की और परिवार एवं मित्रों के साथ इसका आनंद लिया।

इस अवसर पर मंडल के प्रधान श्री राजकुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, रविंद्र अग्रवाल, नवरत्न कनोडिया, मनीष अग्रवाल, दिनेश सिंघल, आशीष अग्रवाल एवं राजकुमार ताजपुरिया सहित मंडल के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

विशेष आकर्षण यह रहा कि महासर धाम, अटेली से चार भक्त विशेष रूप से फिल्म देखने के लिए हैदराबाद पहुंचे। इससे आयोजन के प्रति भक्तों की आस्था एवं उत्साह का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

फिल्म के चारों शो का हाउसफुल होना महासर माता के प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा, विश्वास एवं आस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण रहा। भक्तों ने परिवार एवं मित्रों के साथ फिल्म देखकर महासर माता की महिमा का अनुभव किया और इस ऐतिहासिक आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

श्री महासर माता भक्त मंडल, भाग्यनगर की ओर से 'जय महासर धाम' फिल्म के निर्माता श्रीधर गुप्ता, निर्देशक सन्नी पी. अग्रवाल, समस्त कलाकारों एवं पूरी फिल्म टीम को इस सुंदर एवं भक्तिमय प्रस्तुति के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं।

मंडल की ओर से यह भी बताया गया कि आगामी फिल्म भगवान अग्रसेनजी पर बनाई जा रही है, जिसमें प्रसिद्ध अभिनेता मुकेश खन्ना, जिन्हें 'भीष्म पितामह' के रूप में विशेष पहचान मिली है, भगवान अग्रसेनजी की भूमिका निभा रहे हैं। इस आगामी फिल्म की सफलता की कामना करते हुए निर्माता, निर्देशक एवं पूरी टीम को शुभकामनाएँ दी गईं।

हेल्थ अलर्ट

स्लीप पैरालिसिस की समस्या....

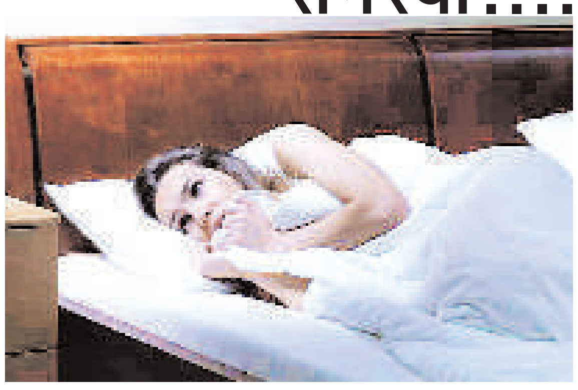

इस स्थिति का वर्णन दुनियाभर के प्राचीन ग्रंथों और कथाओं में भी मिलता है। इसलिए नींद की इस स्थिति को रहस्य और अंधविश्वास भरी नजरों से भी देखा जाता रहा है। विज्ञान की मानें तो यह स्थिति दर्शाती है कि आपका शरीर नींद की प्रक्रिया के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पा रहा है। यह स्थिति स्लीप पैरालिसिस कहलाती है। स्लीप पैरालिसिस वह स्थिति है जब लेटी हुई अवस्था में आपका दिमाग तो जाग जाता है और सबकुछ देख सकता है, लेकिन शरीर हिलने-डुलने से इनकार कर देता है। विज्ञान के लिहाज से यह जागी और सोई स्थिति के बीच की अवस्था है जिसमें कुछ सेकेंड्स से लेकर कुछ मिनट्स तक व्यक्ति हिलने-डुलने के साथ ही बोलने की शक्ति भी खो देता है। कुछ लोगों को इस दौरान सांस रुकने या दम घुटने जैसा अहसास भी हो सकता है वहीं कुछ में इस तकलीफ के साथ नार्कोलैप्सी जैसे नींद से जुड़े अन्य डिसऑर्डर भी हो सकते हैं।

हो सकती है गंभीर मुसीबत

यूं आम मामलों में स्लीप पैरालिसिस से कोई दिक्कत नहीं लेकिन रेयर केसेस में ये कुछ गंभीर मनोवैज्ञानिक समस्याओं से जुड़ा हो सकता है। कई बार यह स्थिति तब भी हो सकती है जब आप गहरी नींद में होते हैं, लेकिन तब आप इसे नोटिस नहीं कर पाते। इसमें आमतौर पर दो में से एक परिस्थिति प्रभावकारी हो सकती है। पहली परिस्थिति हिप्नेगॉजिक या प्रीडॉर्मिटल है जब आप सोई हुई अवस्था में होते हैं और दूसरी परिस्थिति हिप्नोपॉटिक यानी पोस्टडॉर्मिटल जब आप जागने वाली अवस्था में होते हैं।

मददगार उपाय

हालांकि यह दिक्कत अधिकांशत: सामान्य उपायों से ही ठीक हो जाता है। कुछ केसेस में दवाइयों या इलाज की जरूरत भी पड़ सकती है। सामान्यत: इन उपायों से आराम मिल सकता है।

हमेशा पर्याप्त नींद लेने की कोशिश करें

स्ट्रेस को अपने जीवन से दूर रखें। हो सके तो मेडिटेशन अपनाएं। इसके अलावा रात को सोते समय हल्का संगीत सुनें अगर आप पीठ के बल ही ज्यादा सोते हैं तो सोने की पोजीश पनपने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

कौन हो सकता है पीड़ित

इस समस्या से ग्रस्त होने वालों में वैसे तो किसी भी उम्र का व्यक्ति शामिल हो सकता है लेकिन आमतौर पर इसका असर कुछ विशेष लोगों पर ज्यादा हो सकता है, जैसे-

- जिसकी फैमिली हिस्ट्री में यह समस्या हो।
- नींद पूरी न हो पाती हो।
- नींद का रूटीन गड़बड़ा जाता हो।
- बाईपोलर डिसऑर्डर जैसी समस्याओं से गुजर रहा हो
- जो अन्य स्लीप डिसऑर्डर्स से गुजर रहा हो।
- किसी विशेष मानसिक स्थिति के लिए दवाइयां ले रहा हो।

एक्जिमा पर काबू पाना मुश्किल, सजग रहें

त्वचा को कई प्रकार के संक्रमणों का सामना करना पड़ता है। एक्जिमा उसमें से एक है। एक्जिमा कई प्रकार का होता है। किसी व्यक्ति को किसी चीज से एलर्जी हो, तो उसे उससे एक्जिमा हो सकता है और संभव है कि दूसरे किसी व्यक्ति पर उस चीज का कोई प्रभाव न पड़े। एक्जिमा त्वचा में होने वाली सामान्य अनियमितता है। एक्जिमा शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द से हुई है जिसका अर्थ होता है उबल जाना। पिछले कुछ दशकों में एक्जिमा के मामलों में तेजी आए है। हालांकि इसके कारण अभी तक ज्ञात नहीं हैं।

एक्जिमा के कारण

एक्जिमा के कई कारणों में से एक यह भी हो सकता है कि आजकल लोग एलर्जी पहुंचाने वाले तत्वों (कुछ प्रोटीन पदार्थ जिनसे कुछ लोगों को एलर्जी हो सकती है) के संपर्क में अधिक आने लगे हैं। साथ ही घर में धूल और ऑफिस में अन्य कैमिकल उत्पादों के कारण भी ऐसा देखा जा रहा है। इतना ही नहीं पिछले कुछ दशकों में पर्यावरण और वातावरण में आए बदलावों के कारण भी कुछ लोगों को एक्जिमा की शिकायत होने लगी है। घरों में सफाई के लिए प्रयोग होने वाले पदार्थों का अधिक इस्तेमाल, घोल, डिटर्जेंट, तेल और अन्य सामान, जो त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं, आदि भी एक्जिमा का संभावित कारण हो सकते हैं।

प्रकार और कारण

» कॉन्टेक्ट एक्जिमा
» एटोपिक एक्जिमा
» डिस्काइड एक्जिमा
» सेबोरहोइक एक्जिमा

एटॉपिक एक्जिमा

एक्जिमा का यह प्रकार निरंतर आता और जाता रहता है, और ये आमतौर पर उन लोगों को होता है । जिनमें एलर्जी के लिए एक आनुवंशिक (विरासत) प्रवृत्ति है। लगभग 70त्न मामलों में, व्यक्ति (या किसी परिवार के सदस्य) को एलर्जिक अस्थमा है, फीवर या भोजन सम्बंधित एलर्जी होती है। एटॉपिक एक्जिमा जीवन के प्रारंभिक दिनों में, आम तौर पर 2 महीने से 18 महीने के बीच की आयु के शिशुओं, में उभरता है। शिशुओं में, एटॉपिक एक्जिमा मुख्यत: चेहरे, गर्दन, कान और धड़ को प्रभावित करता है। यह पैरों के शीर्ष या कोहनियों के आगे भी दिखाई देता है। बड़े बच्चों, किशोरों और वयस्कों में एटॉपिक एक्जिमा, आमतौर पर कोहनी के अंदर वाले मोड़ की शिकन, इसके साथ साथ घुटने, टखने या कलाई के जोड़ों, हाथों, और ऊपरी पलकों में भी उत्पन्न हो सकते है।

कॉन्टेक्ट एक्जिमा

जब संक्रमण के कारक त्वचा को स्पर्श करते हैं तो, वे दो प्रकार के कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस उत्पन्न कर सकते हैं। इसमें एक इरिटेंट कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस, जो त्वचा का संक्रमण है। इरिटेंट कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस विभिन्न हानिकारक कणों जैसे डिटर्जेंट, कठोर साबुन, पसीना, लार, या मूत्र के साथ लंबे समय तक संपर्क की वजह से हो सकता है। कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस का दूसरा प्रकार एलर्जिक कॉन्टेक्ट एक्जिमा है, जो त्वचा में एक एलर्जिक प्रतिक्रिया है। यह उन लोगों में होता है जिन्हें एक विशिष्ट पदार्थ के प्रति एलर्जी है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रति वर्ष किसी भी प्रकार की त्वचा एलर्जी 70त्न लोगों को प्रभावित करती है। सबसे आम एलर्जी पैदा करने वाले पदार्थ हैं आइवी जहर, ओक जहर और स्मैक जहर। त्वचा एलर्जी का कारण बनने वाले अन्य पदार्थों में घर और कार्यालयों की कुछ प्रकार की निर्माण सामग्री, सफाई करने वाले उत्पाद, डियोडरेंट, सौंदर्य प्रसाधन और दवायें शामिल हैं।

-इअरलोब का डर्माटाईटिस निकल युक्त बालियों से होने वाली एक एलर्जी की वजह से हो सकता है। सुगंधित पदार्थों, त्वचा क्रीम और लोशन, शैंपू और जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायन भी एलर्जिक प्रतिक्रियाओं को जन्म दे सकते हैं।

न्युमुलर एक्जिमा

यह एक्जिमा, विशेष रूप से टांगों, बाजूओं, या छाती पर सिक्के के आकार के संक्रमित त्वचा स्थल पैदा करता है। यह आमतौर पर वयस्कों में होता है। यह एटॉपिक एक्जिमा से संबंधित हो सकता है और कुछ दुर्लभ मामलों में एलर्जिक कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस से भी सम्बंधित हो सकता है, कुछ मामलों में ये एथलीटस फुट नामक, एक कवक संक्रमण की एलर्जिक प्रतिक्रिया से भी सम्बंधित होता है। इस मामले में, न्युमुलर एक्जिमा अभी भी विशिष्ट रूप से हाथों, पैरों, या छाती पर ही दिखाई देता है, चाहे कवक संक्रमण शरीर के किसी भी भाग पर हो।

सेबोरहोइक एक्जिमा

इस प्रकार का एक्जिमा नवजात शिशु के नैपी एरिया और क्राडल कैप में हो सकता है। वहीं व्यस्कों में यह स्कैल्प में नजर आ सकता है। साथ ही नाक और मुंह के कोनों के बीच नजर आ सकता है।

एक्जिमा के लक्षण

चाहे कोई भी कारण हो, लेकिन एक्जिमा के लक्षण आमतौर पर समान ही होते हैं। एक्जिमा के सामान्य लक्षण और संकेत इस प्रकार होते हैं-

- त्वचा के प्रभावित हिस्सों पर खुजली और लालिमा।
- रूखी और परतदार त्वचा। और खुजली की गई त्वचा में त्वचा का मोटा होना।
- त्वचा के प्रभावित हिस्से में गांठ अथवा छाले होना।

एक्जिमा का इलाज

सही इलाज से अधिकतर लोगों में इस बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन, गंभीर एक्जिमा को पूरी तरह से काबू कर पाना मुश्किल होता है। डॉक्टर के निर्देशों का पालन करने से काफी फायदेमंद होता है। हालांकि, एक्जिमा का कोई इलाज नहीं है। साथ ही ऐसे किसी तत्व का पता लगाना भी मुश्किल हो जाता है, जिससे आपकी त्वचा को किसी प्रकार की संवेदनशीलता हो। स्किन केयर के कुछ खास उपाय आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं।

- त्वचा को उत्तेजित करने वाले पदार्थ जैसे, सुगंधित साबुन, कॉस्मेटिक, कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट के इस्तेमाल से बचें
- त्वचा को माश्चराइज रखें
- गर्मी और पसीने से बचें। तापमान और आर्द्रता में अचानक बदलाव और खुरचने से बचें।
- ढीले-ढाले कपड़े पहनें और एक्जिमा को नियंत्रित करने के लिए सही और पूरा इलाज करवाए।

रक्तचाप नियंत्रण करता है नारियल का तेल

नारियल तेल का दैनिक आहार में इस्तेमाल रक्तचाप का स्तर सामान्य करने में सहायक हो सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि बैरोरिफ्लेक्स संवेदनशीलता में कमी रक्तचाप को कम करने में काफी सहायक है। नारियल के तेल का आहार में इस्तेमाल उच्च तनाव के उपचार में भी सहायक है। यह प्रयोग चूहों पर किया गया और पाया गया कि नारियल तेल के सेवन से चूहों का वजन कम हो गया।

सुझाव

जीभ पर जमी परत को साफ करे ये उपाय

मुंह की सफाई के नाम पर आमतौर पर लोग दांतों की सफाई कर लेते हैं। लेकिन मुंह के अंदर ही मौजूद जीभ की ओर ध्यान नहीं देते। नतीजतन, हमारा मुंह अस्वस्छ रह जाता है। जीभ पर कई तरह के बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं। जीभ के ऊपर एक सफेद परत जैसी जम जाती है। जीभ की गंदगी से दांतों में खराबी होती है और सांसों से बदबू आती है। जीभ को साफ करना बहुत आसान काम है। आइये जानते हैं कि किन घरेलू उपायों से आप अपनी जीभ की सफाई कर सकते हैं।

नमक: नमक जीभ की सफाई के लिए एक प्राकृतिक स्क्रब है। अपनी जीभ पर छोड़ा सफेद नमक छिड़कें, और फिर साफ टूथब्रश से स्क्रब करें। ध्यान रखें की टूथब्रथ मुलायम होना चाहिए। कड़े रेशों से जीभ में दर्द व छाले हो सकते हैं। इस विधि से एक हफ्ते में जीभ से सफेद परत साफ हो

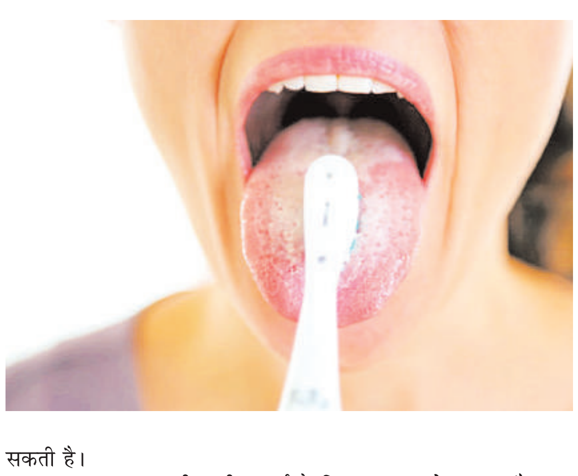

सकती है।

टूथब्रश: टूथब्रश जीभ की सफाई के लिए आसान घरेलू उपाय है। कुछ टूथब्रश दो उद्देश्यों के साथ आते हैं। आगे के हिस्से से दांतों की सफाई और पीछे के हिस्से से जीभ की सफाई। हर बार ब्रश कर लेने के बाद, टूथब्रश के पीछे के हिस्से को हल्के दबाव के साथ जीभ पर रगड़ें। तकरीबन एक से दो मिनट तक इस प्रक्रिया को करना चाहिए। ध्यान रहे, कम दबाव के साथ ही ऐसा करें, अन्यथा जीभ छिल सकती है।

माउथवॉश: खाना खाने के बाद खाने के कुछ अंश जीभ पर ही रह जाते हैं। पानी इन्हें साफ नहीं कर पाता। यही फिर आगे चलकर सफेद परत में तब्दील हो जाते हैं। इसलिए, खाना खाने के बाद माउथवॉश का इस्तेमाल करें। इससे जीभ पर खाने के अंश और बैक्टीरिया जमा नहीं हो पाएगा। इसके साथ ही, नियमित रूप से माउथवॉश के इस्तेमाल से सांसों की बदबू की समस्या से भी छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू और बेकिंग सोडा: बेकिंग सोडा में नींबू की कुछ बूंदे मिलाएं। इसका पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को जीभ पर उंगली की मदद से लाएं। कुछ देर में कुल्ला कर लें। जीभ पर जमी सफेद परत हटाने का ये बेजोड़ तरीका है। साथ ही, इससे दांत भी चमकने लगते हैं।

नमक का पानी: मुंह को नमक के पानी से धोकर भी साफ रखा जा सकता है। इसके लिए आधे ग्लास गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक डालें। इस पानी से अपने मुंह को दिन में 5-6 बार धोएं। ऐसा नियमित तौर पर करते रहने से जीभ पर जमी सफेद परत धीरे धीरे साफ हो जाती है।

दही: दही प्रो-बायोटिक होती है। इस तरह की चीज़ें कैंडिड फंगस को खत्म करती हैं। जीभ पर जमी सफेद परत कैंडिड फंगस के कारण ही होती है। इसलिए दही के प्रयोग से जीभ की सफाई की जा सकती है।

हल्दी: हल्दी एक ऐसा मसाला है जिससे जीभ की सफेद परत का इलाज किया जा सकता है। इसके लिए हल्दी पाउडर में थोड़ा सा नींबू का रस मिला लें। इस पेस्ट को जीभ पर मलें। उंगली से मसाज करें। कुछ देर मसाज करने के बाद गुनगुने पानी से कुल्ला कर लें। इस विधि से जीभ की

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

पीएम संबोधन में शिक्षा गायब

पांच सितंबर को 'शिक्षक दिवस' आया और चला गया। कुछ रस्मी आयोजन जरूर किए गए। देश में यह दिवस प्रथम उपराष्ट्रपति एवं दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर मनाया जाता है। वह महान दार्शनिक और शिक्षाविद थे। राधाकृष्णन की अदम्य और विनम्र इच्छा थी कि उनका जन्मदिन शिक्षा और शिक्षकों को समर्पित किया जाएगा, तो अच्छा रहेगा। 1962 से यह सिलसिला जारी है कि 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक को 'नियति का निर्माता' करार दिया है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। उनके साथ हल्के-फुल्के पल भी जिए। बच्चों के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और नशे की लत से बचाने की नसीहत भी दी। इसी दिन प्रख्यात श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का 'शताब्दी समारोह' भी मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों की युवा पीढ़ी, जेन-जी, को संबोधित भी किया। अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार पर सरकार की नीतियों और विचाराधीन कार्यक्रमों, योजनाओं पर कुछ साझा करेंगे, लेकिन उनका संबोधन 2013 की स्थितियों और 'आधा गिलास खाली' की राजनीति पर ही केंद्रित रहा। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि 2014 से पहले का कालखंड निराशा, हताशा के दलदल में फंसा था। घोटाले चरम पर थे। विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इंटरनेट खोल कर सब कुछ पढ़ और जान सकते हैं कि तब हालात क्या थे? दरअसल हमारा सवाल यहीं उभरता है कि क्या अध्ययनरत छात्रों का यही सरोकार होना चाहिए? उन्हें शिक्षा, परीक्षा, रोजगार के प्रति आश्वस्त नहीं किया जाना चाहिए था? प्रधानमंत्री का संबोधन था, न कि एक विशुद्ध राजनेता छात्रों के साथ संवाद कर रहा था! यहां हम कुछ आंकड़े फिर दोहरा रहे हैं, ताकि पाठक और सरकार जान सकें कि देश में स्कूली शिक्षा और आधारभूत ढांचे का यथार्थ क्या है? 2014-25 के दौरान 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं और 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक (शिक्षक?) है। क्या वह अपने शिक्षक-धर्म को निभा सकता है? करीब 70,000 स्कूलों में शौचालय की सुविधा नहीं है, 55083 स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है, 4.08 लाख स्कूलों में कम्प्यूटर की व्यवस्था नहीं है, 46345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है और देश के 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों से ही शिक्षित होने को बाध्य हैं। करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। ऐसे यथार्थ में हम एक पर्याप्त पढ़ी-लिखी, हुनरमंद जेन-जी की पीढ़ी कैसे पैदा कर सकते हैं? ऐसे कई आंकड़े प्रधानमंत्री मोदी के ध्यान में होंगे! उन्हें 'शिक्षक दिवस' पर कौन-सा प्रधानमंत्री स्वीकार करेगा? छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार की खूब गालबजाई की। पहली तिमाही की विकास दर 7.8 फीसदी को 'अतुलनीय' और वैश्विक करार दिया। प्रधानमंत्री ने करीब 60 करोड़ जन-धन खातों, देश की 50 फीसदी आबादी के बैंक खातों, करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल निर्यात, करीब 2 लाख करोड़ रुपए के रक्षा उत्पादन और करीब 40,000 करोड़ रुपए के रक्षा-निर्यात, रेलवे के 100 फीसदी विद्युतीकरण के साथ-साथ नक्सलवाद के खात्मे और 'दिमागी नक्सल' की होम्योपैथिक गोली आदि का भी उल्लेख किया। ये उल्लेख प्रधानमंत्री करते भी रहे हैं तथा किसी और मौके पर जिक्र कर सकते थे। रोजगार के संदर्भ में सिर्फ यही कहा-'अवसर पैदा हो रहे हैं।' शायद प्रधानमंत्री जानते होंगे कि केंद्र सरकार में अब भी 8,23,556 स्वीकृत पद खाली पड़े हैं। रक्षा मंत्रालय और रेलवे में ही करीब 2.41 लाख (प्रत्येक में) पद रिक्त हैं। सरकार इन पदों पर नियुक्तियां क्यों नहीं करती? आखिर हमारी अर्थव्यवस्था 4.15 ट्रिलियन डॉलर की है और हम सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था भी हैं। गौरतलब यह भी है कि 2005-23 के दौरान 21 राज्यों में कुल 220 परचे लीक हुए, नतीजतन करीब 10 करोड़ छात्र उनसे प्रभावित हुए। 'शिक्षक दिवस' कुल 1 करोड़ से अधिक अध्यापकों, शिक्षकों को समर्पित घोषित किया जाता है। यदि प्रधानमंत्री भी शिक्षा, स्कूल, परीक्षा, रोजगार की बात नहीं करेंगे, तो पूर्व राष्ट्रपति राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अधूरी और रस्मी ही होगी। महंगाई का आलम तो यह है कि करीब 40 करोड़ भारतीय महंगी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च नहीं उठा सकते। प्रधानमंत्री इन संदर्भों में क्या कहना चाहेंगे।

1962 से यह सिलसिला जारी है कि 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक को 'नियति का निर्माता' करार दिया है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। उनके साथ हल्के-फुल्के पल भी जिए। बच्चों के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और नशे की लत से बचाने की नसीहत भी दी। इसी दिन प्रख्यात श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का 'शताब्दी समारोह' भी मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों की युवा पीढ़ी, जेन-जी, को संबोधित भी किया। अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार पर सरकार की नीतियों और विचाराधीन कार्यक्रमों, योजनाओं पर कुछ साझा करेंगे, लेकिन उनका संबोधन 2013 की स्थितियों और 'आधा गिलास खाली' की राजनीति पर ही केंद्रित रहा। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि 2014 से पहले का कालखंड निराशा, हताशा के दलदल में फंसा था। घोटाले चरम पर थे। विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इंटरनेट खोल कर सब कुछ पढ़ और जान सकते हैं कि तब हालात क्या थे? दरअसल हमारा सवाल यहीं उभरता है कि क्या अध्ययनरत छात्रों का यही सरोकार होना चाहिए? उन्हें शिक्षा, परीक्षा, रोजगार के प्रति आश्वस्त नहीं किया जाना चाहिए था? प्रधानमंत्री का संबोधन था, न कि एक विशुद्ध राजनेता छात्रों के साथ संवाद कर रहा था! यहां हम कुछ आंकड़े फिर दोहरा रहे हैं, ताकि पाठक और सरकार जान सकें कि देश में स्कूली शिक्षा और आधारभूत ढांचे का यथार्थ क्या है? 2014-25 के दौरान 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं।

विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है

सत्य निकेतन हादसाः जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा।

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी

पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए। यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है। वे यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था? किसने सुरक्षा की गारंटी दी थी? किसने निगरानी की थी? किसने खतरे को नजरअंदाज किया था? इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी व्यक्ति ढूंढना नहीं होना चाहिए। जांच को यह भी पता लगाना चाहिए कि किस स्तर पर सिस्टम विफल हुआ। फाइल कहां रुकी? निरीक्षण किसने किया? शिकायत किसने दबाई? नक्शा किस आधार पर स्वीकार हुआ? अवैध निर्माण वर्षों तक कैसे चलता रहा? भवन में रहने वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या उन अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी जिनकी जिम्मेदारी ही ऐसे हादसों को रोकना थी? सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए।

जनसंपर्क में भविष्य को पहले समझने की कला

नई पीढ़ी क्यों बदल रही है जनसंपर्क के भविष्य की दिशा

जनसंपर्क का बदलता अर्थ

आज के तेजी से बदलते युग में जनसंपर्क केवल यह बताने का माध्यम नहीं रह गया है कि क्या हो चुका है। इसकी वास्तविक शक्ति इस बात को समझने में है कि अगला क्या होने वाला है। यही हैपूर्वानुमान, पूर्वतैयारी और भविष्य की आहट को समय रहते पहचानने की क्षमता।जनसंपर्क के क्षेत्र में अब केवल वर्तमान परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं है। बदलते सामाजिक, तकनीकी और संचार परिवेश में भविष्य की संभावनाओं को पहले से समझना और उसके अनुरूप रणनीति तैयार करना समय की आवश्यकता बन गया है।

नई पीढ़ी : नई सोच, नई अपेक्षाएँ

आज की नई पीढ़ी ऐसी दुनिया में जी रही है, जहाँ एक छोटी-सी पोस्ट कुछ ही मिनटों में व्यापक रूप से फैल सकती है, एक वीडियो किसी संस्था या ब्रांड की छवि बदल सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचार की गति को कई गुना बढ़ा रही है।

नई पीढ़ी केवल जानकारी नहीं चाहती; वह प्रामाणिकता, पारदर्शिता, उद्देश्यपूर्ण सोच और तत्काल संवाद चाहती है। उसके लिए किसी संस्था, संगठन या ब्रांड की विश्वसनीयता केवल उसके संदेशों से तय नहीं होती, बल्कि उसकी पारदर्शिता, उद्देश्य और लोगों के साथ वास्तविक एवं तत्काल संवाद से भी तय होती है।

संकट से पहले तैयारी

आधुनिक जनसंपर्क की सफलता इस बात में है कि हम संकट आने के बाद समाधान खोजने के बजाय संकट आने से पहले तैयारी करें; सवाल पूछे जाने से पहले जवाब सोचें और कोई रुझान बनने से पहले उसकी दिशा पहचानें।आज के दौर में किसी संभावित संकट को केवल उसके सामने आने के बाद संभालना पर्याप्त नहीं है। जनसंपर्क विशेषज्ञों के लिए आवश्यक है कि वे संभावित परिस्थितियों, जनभावनाओं और बदलते रुझानों को पहले से समझें तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के लिए तैयार रहें।

पूर्वानुमान का सही संतुलन

पूर्वानुमान केवल भविष्यवाणी नहीं है। इसमें सहानुभूति, अनुभव, आँकड़े, तकनीक और मानवीय निर्णय क्षमता के बीच संतुलन आवश्यक है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमें संभावित रुझानों और परिस्थितियों को समझने में सहायता कर सकती है, लेकिन सही निर्णय के लिए मानवीय संवेदनशीलता और विवेक अनिवार्य हैं।

तकनीक संभावित परिस्थितियों का विश्-लेषण कर सकती है, लेकिन किसी निर्णय के मानवीय प्रभाव को समझने के लिए संवेदनशीलता, अनुभव और विवेक की आवश्यकता हमेशा बनी रहेगी।

नई पीढ़ी के साथ प्रभावी संवाद

नई पीढ़ी के साथ प्रभावी संवाद का भविष्य उन्हीं जनसंपर्क विशेषज्ञों का है, जो पहले सुनते हैं, पहले समझते हैं और सही समय पर बोलते हैं।सामाजिक माध्यमों के बदलते रुझानों, हितधारकों की अपेक्षाओं और संभावित जोखिमों को पहले से समझना अब रणनीतिक आवश्यकता है।

बदलते डिजिटल वातावरण में संवाद केवल संदेश देने तक सीमित नहीं रह गया है। लोगों की अपेक्षाओं को समझना, उनकी प्रतिक्रियाओं को सुनना और सही समय पर सही तरीके से संवाद करना जनसंपर्क की सफलता का महत्वपूर्ण आधार बन गया है।

अंतिम संदेश

पूर्वानुमान केवल भविष्य देखने की कला नहीं, बल्कि आज की तैयारी के माध्यम से बेहतर भविष्य का निर्माण करने का संकल्प है। नई पीढ़ी के साथ संवाद का भविष्य उन्हीं जनसंपर्क विशेषज्ञों का है, जो बदलाव को समझते हैं, उसे स्वीकार करते हैं और उससे आगे की राह बनाते हैं।

सच्चा जनसंपर्क संकट के बाद समाधान नहीं खोजता; वह संकट से पहले विश्वास की तैयारी करता है।

आज के जनसंपर्क के लिए चार अनिवार्यताएँ

1. **बदलते रुझानों को पहचानें**
   बदलते रुझानों को समय रहते समझें और उनकी दिशा का पूर्वानुमान करें।
2. **नई पीढ़ी की सोच समझें**
   नई पीढ़ी की अपेक्षाओं, प्राथमिकताओं और संवाद की शैली को समझना आवश्यक है।
3. **संभावित जोखिमों का पूर्वानुमान करें**
   संकट आने का इंतजार करने के बजाय संभावित जोखिमों की पहले से पहचान कर तैयारी करें।
4. **कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानवीय संवेदना का संतुलन रखें**
   तकनीक की क्षमता का उपयोग करते हुए मानवीय संवेदनशीलता, अनुभव और विवेक को निर्णय प्रक्रिया में उचित महत्व दें।

-डॉ. अजय कुमार अग्रवाल
अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष
ब्रिटिश संसद, लंदन द्वारा 'भारत गौरव सम्मान' से सम्मानित
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज
दुबई द्वारा 'ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड' से सम्मानित

आप का नज़रिया

वास्तविकताओं से दूर

प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था के मूल तत्व और आर्थिक सिद्धांत इस समय बुरी स्थिति में हैं, इसलिए कैग की रिपोर्ट हिमाचली वजूद की निशानियों में आपत्तिजनक मिलावट खोज चुकी है। हम एक कर्जप्रधान आर्थिकी के खंभे से लटके हैं और यह बात हमारे जनप्रतिनिधियों, सरकार व आम जनता को समझ लेनी चाहिए। कैग रिपोर्ट ने बढ़ते राजस्व घाटे (6804 करोड़) व राजकोषीय (12611 करोड़) घाटे के नीचे आर्थिक हजामत देखी है। आश्चर्य यह कि राजस्व का 86 प्रतिशत हिस्सा पेंशन, वेतन, सबसिडी और कर्ज चुकाने में जा रहा है। इस तरह मात्र चौदह प्रतिशत खर्च से हमें प्रदेश के सपने, विकास तथा आगे बढऩे के उपाय करने हैं। जाहिर है यहां आत्मनिर्भरता के सारे नारे और बुलंद हिमाचल की तस्वीर पर छींटाकशी हो रही है। क्या हम आर्थिक हकीकत पर चर्चा करते हैं। क्या पूरे मानसून सदन की चिंताओं में कैग का कोई पहलू जिंदा था या हम अब उधार का घी पीने की तरकीबों के एक्सपर्ट होना चाहते हैं। हम शेखियों के बादशाह क्योंकि विकास के पथ पर यथार्थ के छेद हैं। जनता को मालूम होना चाहिए कि मुफ्तखोरी में पलते अरमान वास्तविकताओं से परे हैं। क्या दो लाख परिवारों का चयन अगर मुफ्त की 300 यूनिट बिजली या महिलाओं का पंद्रह सौ रुपए प्रति माह का प्रबंध करके स्थिति बदल देगा। हमें बड़े राज्यों के खरे उदाहरण देखने चाहिएं। अगर महाराष्ट्र जैसा राज्य सबसिडी बढ़ा भी दे तो वहां राजस्व प्राप्तियों के स्रोत क्षमतावान हैं तथा जनता भी कर अदायगी में श्रेष्ठ योगदान कर रही है। ऐसे में अगर सियासी खेल मुफ्तखोरी को और प्रोत्साहित करता है, तो सारी बजटीय व्यवस्था उजड़ जाएगी। अगर राज्य का खर्च चलाने के लिए 2024-25 के दौरान 26622 करोड़ का ऋण लेना पड़ा तो इसमें से 18169 करोड़ लोन चुकाने में ही चले गए। यह उधार की सुरंग है, इसलिए न प्रवेश का रास्ता सुरक्षित और न ही बाहर निकलने के लिए कोई रास्ता। आश्चर्य यह भी कि सरकारी उपक्रमों में घाटे का जाप कर रहे चौदह के हिस्से में 4985 करोड़ का घाटा सूली पर टंगा है। कैग अपनी रिपोर्ट में आर्थिक खामियों के कई लबादे उतारते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की कार्यसंस्कृति पर भी प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। राजस्व के नुकसान में खुला खेल फरुखावादी बना हुआ है, तो व्यवस्था बदलनी पड़ेगी। यह कार्य राजनीतिक हितों से हटकर प्रदेश के अस्तित्व का महत्त्वपूर्ण अंग है। बेशक वर्तमान सरकार का उद्घोष अकसर व्यवस्था परिवर्तन की बात करता है, लेकिन सियासी मंचों की शेखियां, जमीन की व्यथा नहीं सुन पातीं। अगर निकम्मे, अनावश्यक या औपचारिक कार्यालय एवं संस्थान बंद न किए, तो अपव्यय के सारे तंबू एक दिन बुरी तरह ढह जाएंगे। सरकार को अपना आकार घटाने के अलावा तमाम फिजूलखर्ची बंद करनी होगी। आज भी हिमाचल के सार्वजनिक क्षेत्र की वंदना में बजट का दिवाला निकल रहा है, तो निजी क्षेत्र को अंगीकार करते हुए इसके माध्यम से पूंजी निवेश का स्पेस खोलना चाहिए। बेशक राजनीति के लिए ऐसे उपाय करना आसान नहीं, लेकिन प्रदेश के हालात न सुधरे तो आगे का सफर और मुश्किल व कांटों भरा होगा। राजनीतिक मंचों पर हो रहा प्रदर्शन, विरोध तथा जनता को आकर्षित करने का दाम महंगा और प्रदेश की आर्थिकी का विरोधी साबित हो रहा है, तो क्या हम इस यथार्थ को कभी स्वीकार करेंगे। कैग रिपोर्ट के परिप्रेक्ष्य में केवल सत्ता नहीं, विपक्ष को भी अपना आर्थिक पक्ष सामने रखना होगा।

आश्चर्य यह कि राजस्व का 86 प्रतिशत हिस्सा पेंशन, वेतन, सबसिडी और कर्ज चुकाने में जा रहा है। इस तरह मात्र चौदह प्रतिशत खर्च से हमें प्रदेश के सपने, विकास तथा आगे बढऩे के उपाय करने हैं। जाहिर है यहां आत्मनिर्भरता के सारे नारे और बुलंद हिमाचल की तस्वीर पर छींटाकशी हो रही है। क्या हम आर्थिक हकीकत पर चर्चा करते हैं। क्या पूरे मानसून सदन की चिंताओं में कैग का कोई पहलू जिंदा था या हम अब उधार का घी पीने की तरकीबों के एक्सपर्ट होना चाहते हैं। हम शेखियों के बादशाह क्योंकि विकास के पथ पर यथार्थ के छेद हैं। जनता को मालूम होना चाहिए कि मुफ्तखोरी में पलते अरमान वास्तविकताओं से परे हैं। क्या दो लाख परिवारों का चयन अगर मुफ्त की 300 यूनिट बिजली या महिलाओं का पंद्रह सौ रुपए प्रति माह का प्रबंध करके स्थिति बदल देगा। हमें बड़े राज्यों के खरे उदाहरण देखने चाहिएं। अगर महाराष्ट्र जैसा राज्य सबसिडी बढ़ा भी दे तो वहां राजस्व प्राप्तियों के स्रोत क्षमतावान हैं तथा जनता भी कर अदायगी में श्रेष्ठ योगदान कर रही है। ऐसे में अगर सियासी खेल मुफ्तखोरी को और प्रोत्साहित करता है, तो सारी बजटीय व्यवस्था उजड़ जाएगी। अगर राज्य का खर्च चलाने के लिए 2024-25 के दौरान 26622 करोड़ का ऋण लेना पड़ा तो इसमें से 18169 करोड़ लोन चुकाने में ही चले गए। यह उधार की सुरंग है, इसलिए न प्रवेश का रास्ता सुरक्षित और न ही बाहर निकलने के लिए कोई रास्ता। आश्चर्य यह भी कि सरकारी उपक्रमों में घाटे का जाप कर रहे चौदह के हिस्से में 4985 करोड़ का घाटा सूली पर टंगा है। कैग अपनी रिपोर्ट में आर्थिक खामियों के कई लबादे उतारते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की कार्यसंस्कृति पर भी प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। राजस्व के नुकसान में खुला खेल फरुखावादी बना हुआ है, तो व्यवस्था बदलनी पड़ेगी।

कुछ अलग

कितने इंच जुबान

अचानक सरकार को लगा कि चौराहों पर बोलने वालों पर पाबंदी लगा दी जाए। बोलने वालों की जुबान जितनी लंबी है, उतनी गंदी है, इसलिए जुबान की प्रतियोगिता करवा दी गई। आश्चर्य यह कि जुबान दिखाने के लिए प्रतियोगी इतने बढ़ गए कि फैसला हुआ कि पहले ऑडिशन करवाए जाएं। फिर सौंदर्य प्रतियोगिता की तरह इनके सेमी तथा फाइनल करवाए जाएं। अमूमन लोग जुबान को छुपा कर रखते हैं, लेकिन यहां तो देखादेखी में सभी को वहम था कि उनकी छह, आठ या दस इंची लंबी भी हो सकती है जुबान। हैरानी तब हुई जब लंबी जुबान की प्रतियोगिता में गूंगे भी उतर गए। यह उनका दावा था कि जिस दिल बोले उस दिन सत्ता के कान फट जाएंगे। गूंगों ने फीस अदा की थी, तो उन्हें प्रतिभागी बनाना ही पड़ा। कुछ बहरे भी कान के बजाय जीभ दिखाने उतर गए। इस बार हैरानी की बात यह कि महिलाओं के मुकाबले ज्यादा पुरुष थे, जिन्हें अपनी जुबान पर यकीन था।

दृष्टि कोण

शिक्षा बचाने के लिए शिक्षक की बड़ी भूमिका

यह कहने में मुझे (लेखक को) कोई संकोच नहीं कि जब छात्र शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं भेजते हैं, तो साथ मिलकर किए गए काम और क्रमिक विकास के उन खूबसूरत दिनों को याद करके खुशी महसूस होती है। बहुत आभार के साथ उन महान शिक्षाविदों को भी याद करता हूं जिनके प्रभाव ने पढ़ाने के मेरे तौर-तरीके को स्वरूप दिया। निस्संदेह, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होता है- उनकी विद्वत्ता और दार्शनिक सोच का। सावित्रीबाई फुले भी जेहन में आते हैं-हमारे पुरुष प्रधान और जाति-व्यवस्था वाले समाज में दबे-कुचले व हाशिए पर पड़े लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए उनकी हिम्मत और समर्पण के लिए। लेखक के मुताबिक, 'अपने ढंग से मैं पाउलो फ्रेरे और बेल हुक्स जैसे लोगों के विचारों से जुड़ा- मुक्त विचारयुक्त शिक्षा की भावना, जिसने हमें प्रेरित किया; या मुझे रवींद्रनाथ टैगोर की काव्यात्मक रचना 'ए पोएट्स स्कूल', जिद्दू कृष्णमूर्ति की किताब 'स्कूल विदाउट फियर' और गिजुभाई बधेका के अद्भुत शिक्षण प्रयोग-जिसका ज़िक्र उनकी किताब 'दिवास्वप्न' में है-इनसे पुनः प्रेरित होना मुझे पसंद है। खुशी है कि किसी सत्ता के लालच ने नहीं, बल्कि सीखने, भूलने व अध्यापन के आनंद ने मेरी नियति को आकार दिया।' तथापि, लेखक स्वीकार करते हैं कि मौजूदा कठिन दौर में, उन्हें कुछ बेचैनी महसूस होने लगी है। उनके मुताबिक, 'क्या मैं सच में उस स्थिति में खुश हो सकता हूं और शिक्षक दिवस मना सकता हूं, जब हमारे शैक्षणिक संस्थानों की हालत बद से बदतर होते पाऊं और अपने छात्रों का दुख महसूस करूं? क्या अब इस

दिन को मनाने की कोई वजह बची है?' असंतुष्ट छात्रों की इस पीढ़ी के संत्रास के बारे में सोचिए। हां, उनमें अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता है; और तनाव एवं बेचैनी से त्रस्त हैं। चाहे कोई अत्यंत कुलीन विद्यालय का छात्र हो या किसी छोटे शहर का वह युवा जो मानक बना दिए गए 'नीट' जैसी अहम कठिन परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, इस पीढ़ी का तनाव वाकई चिंता की बात है। जब यह लेख लिखा जा रहा है तो आईआईटी-दिल्ली में एमएससी के एक छात्र की खुदकुशी की खबर आई और इस दुखद घटना पर प्रशासन के लापरवाही और अफसरशाही भरे रवैये के कारण वहां तनाव का माहौल है। इसी तरह, यह सोचकर कर दिल टूट जाता है कि नीट परीक्षा लीक विवाद के कारण इम्तिहान रद्द किए जाने और दोबारा तारीख तय होने के बाद कई छात्रों ने खुदकुशी कर ली थी। जब राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्र्स ब्यूरो के आंकड़ों पर नज़र डालते हैं -2024 में छात्रों की आत्महत्या के 14,488 मामले- तो अहसास होता है कि काफी असमानता और असंतुलन वाले इस समाज में ऊपर उठने की होड़ ने हमारे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचाया है। इसी प्रकार, हमारे स्कूलों और विश्वविद्यालयों की दयनीय हालत के बारे में सोचिए। जहां गुमनाम गांवों और छोटे कस्बों में भी शानदार नामों वाले इंग्लिश-माध्यम/प्राइवेट स्कूल दिख जाते हैं, वहीं सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में 94,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं, देखिए कि किस प्रकार व्यवस्था ने अध्यापन के पेशे की अहमियत को घटाया है और उसे मामूली समझता है। वरना, इस बात को कैसे समझा सकते हैं कि सरकारी स्कूल के शिक्षकों को अक्सर पढ़ाना छोड़कर चुनाव का काम, जनगणना और वोटर लिस्ट में सुधार जैसे गैर-शैक्षणिक/प्रशासनिक काम करने में लगा दिया जाता है? इसके अलावा, यहां एक ऐसा तंत्र है जो अध्यापन से प्यार करने वालों का हौसला तोड़ता है।

ग्रीम स्मिथ सहित इन खिलाड़ियों के नाम है सबसे लंबे समय तक कप्तानी का रिकार्ड

जोहांसबर्ग

आजकल टी20 क्रिकेट का जोर है और दुनिया भर में टी20 लीग चल रही है। इसके बाद भी टेस्ट क्रिकेट का महत्व बना हुआ है। इसका कारण ये है कि इसी प्रारुप में किसी खिलाड़ी की प्रतिभा और कौशल की असली परीक्षा होती है और खेल का असली रोमांच मिलता है। टेस्ट क्रिकेट में इस दौरान कई अनोखे रिकार्ड भी बने हैं। ऐसा ही एक रिकार्ड दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ग्रीम स्मिथ के नाम है। स्मिथ ने 2003 से 2014 के बीच रिकार्ड 109 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की थी। सबसे लंबे समय तक कप्तानी का रिकार्ड है। पिछले 12 साल मे कोई भी इसे नहीं तोड़ पाया है। इस दौरान स्मिथ की टीम को 29 टेस्ट मैचों में हार का भी सामना करना पड़ा उन्होंने जिस प्रकार से एक युवा और बिखरी हुई टीम को विश्व की सबसे मजबूत टेस्ट टीमों में से एक बनाया , उसके लिए उन्हें याद किया जाता है। कप्तान के तौर पर भले ही उन्होंने शतक न जमाया हो, लेकिन उनकी कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने नई उपलब्धियां हासिल की।

स्मिथ के बाद सबसे अधिक समय तक कप्तानी करने वलो बल्लेबाजों में न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग इस दूसरे स्थान पर हैं। कीवी टीम के सबसे सफल कप्तान फ्लेमिंग ने साल 1997 से 2006 के बीच कप्तानी संभाली और इस दौरान उनकी टीम 27 टेस्ट मैच ही हारी। फ्लेमिंग ने अपनी कप्तानी में न्यूजीलैंड को आगे बढ़ाया। उन्होंने कप्तान के रूप में 117 रनों की एक शतकीय पारी सहित 1589 रन बनाए।

वहीं इंग्लैंड के वर्तमान कप्तान जो रूट ने साल 2017 से 2022 तक टेस्ट कप्तानी की थी। वह सबसे अधिक समय तक कप्तानी करने वाले तीसरे कप्तान हैं।जब इंग्लैंड की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी, तब रूट ने अकेले दम पर बल्लेबाजी का भार संभाला। कप्तानी के दौर में रूट ने भी 27 टेस्ट मैचों में हार का सामना किया। कप्तान के रूप में रूट का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा; उन्होंने 1793 रन बनाए, जिसमें नाबाद 180 रनों का एक यादगार शतक शामिल था। उनका कप्तानी कार्यकाल यह दर्शाता है कि एक खिलाड़ी कितने भी रन बनाये, टेस्ट मैच जीतने के लिए पूरी टीम के सामूहिक योगदान की जरूरत होती है। रुट को इस साल एक बार फिर कप्तानी सौंपी गयी थी

क्रिकेट इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में गिने जाने वाले वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा का नाम भी इस सूच में है। 1998 से 2006 के बीच लारा ने वेस्टइंडीज की कप्तानी तब संभाली जब कैरेबियाई क्रिकेट का स्वर्णिम दौर समाप्त हो गया था। लारा के नेतृत्व में वेस्टइंडीज ने 26 टेस्ट मैच गंवाए। हालांकि, हारने वाले मैचों में भी लारा का बल्ला जमकर बोला; उन्होंने 40.50 की बेहतरीन औसत से 2106 रन बनाए, जिसमें 202 रनों के सर्वोच्च स्कोर के साथ 5 शतक शामिल थे।

वहीं साल 1980 और 1990 के दशक में आस्ट्रेलियाई क्रिकेट को निखारने का श्रेय एलन बार्डर को जाता है। साल 1984 से 1994 के बीच बार्डर ने आस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाली। उनके कप्तानी दौर में आस्ट्रेलिया को 22 टेस्ट मैचों में हार मिली। कप्तानी के दौरान दबाव के क्षणों में बार्डर ने 27.14 की औसत से 1140 रन बनाए, जिसमें नाबाद 152 रनों की शतकीय पारी शामिल थी।

ये आंकड़े दिखाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी एक दोधारी तलवार है, जहां लंबे कार्यकाल अक्सर जीत के साथ-साथ हार का भी बोझ लेकर आते हैं।

न्यूज ब्रीफ

धोनी का आईपीएल 2027 सत्र में खेलना संभव नहीं : बद्रीनाथ

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र में खेलना संभव नजर नहीं आता है। इसका कारण है कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतरने के लिए तैयार नहीं हैं। बद्रीनाथ का मनाना था कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तौर पर उतरकर अपने आईपीएल करियर को लंबा कर सकते थे पर वह इसके लिए तैयार नहीं दिखते। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि यदि वह खेलना जारी रखते हैं, तो वह एक पूर्णकालिक विकेटकीपर के रूप में ही मैदान पर उतरना चाहेंगे, जिसका अर्थ है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक विकेटकीपिंग और क्षेत्ररक्षण की जिम्मेदारी निभानी होगी जो उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए संभव नहीं दिखता। बद्रीनाथ का मानना है कि धोनी के लिए उनके करियर के इस चरण में इम्पैक्ट प्लेयर की भूमिका अधिक उपयुक्त हो सकती थी। 44 साल की उम्र को देखते हुए, पूरे 20 ओवर तक विकेटकीपिंग करना उनके लिए शारीरिक रूप से संभव नहीं हो सकता है। यह नियम उन्हें केवल बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने और दबाव कम करने का अवसर प्रदान कर सकता था, जिससे वे फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभा पाते। बद्रीनाथ ने बताया, धोनी ने मुझसे कहा कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे। वह खुद को एक पूर्णकालिक विकेटकीपर मानते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक मैदान पर रहना होगा।

यूएस ओपन: कार्लोस अल्कराज ने टामी पाल को हराया, लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिका के टामी पाल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। अल्कराज इस साल फ्लशिंग मीडोज में लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से बाहर रहने के बावजूद उन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अब तक शानदार फार्म दिखाई है। टामी पाल पर जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 18 मैच तक पहुंच गया है। जीत के बाद अल्कराज ने पत्रकारों से कहा, मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि इस समय मेरा स्तर कहां है। टामी को हराना हमेशा अच्छी प्रतिक्रिया देता है और इससे पता चलता है कि आप इस समय किस स्तर पर हैं। मैंने जो कुछ किया, उससे मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, मैं खेल को बहुत अच्छी तरह समझ पा रहा था। मुझे पता था कि हर समय क्या करना है और किस मौके पर किन चीजों का इस्तेमाल करना है। उम्मीद है कि मैं इसी लय को बनाए रखूंगा। मुकाबले के तीसरे सर्विस गेम में अल्कराज को टामी पाल की ओर से कुछ दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने करीब 161 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगाए गए शानदार फोरहैंड विनर से इसका जवाब दिया।

अगले पांच साल तक रियल मैड्रिड से खेलेंगे स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी

मैड्रिड। स्पेन के शीर्ष फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड ने लेवांते के युवा स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को अपने साथ जोड़ा है। रियल मैड्रिड ने एस्पी को करीब 25 मिलियन यूरो की मोटी रकम देकर खरीदा है। ऐसे में अब अगल सत्र से कार्लोस रियल की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। रियल ने कहा कि कि कार्लोस अगले पांच साल तक उसके पास ही रहेंगे। इसके तहत ये फुटबालर जून, 2031 तक रियल की ओर से खेलेगा। गौरतलब है कि रियल मैड्रिड में आने से पहले कार्लोस ने लेवांते की ओर से तीन सत्र खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 66 मैचों में 20 गोल दागे हैं। उनका पिछला सीजन विशेष रूप से अच्छा रहा। इस दौरान उन्होंने 27 मैचों में 13 गोल किये। उन्हें पिछले सीजन में लीग का सर्वश्रेष्ठ अंडर-23 खिलाड़ी भी चुना गया था। कार्लोस के इन गोलों के कारण ही लेवांते को निचली लीग में जाने से बचा था। सत्र सीजन के आखिरी हफ्तों में उनके प्रदर्शन ने टीम को मजबूती मिली थी। इस स्ट्राइकर को अपनी टीम में शामिल करने के लिए स्पेनिश ला लीगा के क्लब विल्लारियल और इंग्लैंड की प्रीमियर लीग के साथ् ही कई बड़े क्लबों ने भी रुचि दिखायी थी। रियल मैड्रिड ने हालांकि इस दौड़ में बाजी मार ली। लेवांते ने संभावित चोट के खतरे को कम करने के लिए प्री-सत्र फ्रेंडली मैचों से बाहर रखा था, जो आमतौर पर बड़े ट्रांसफर से पहले किया जाता है। कार्लोस का रियल मैड्रिड में ऐसे समय में आये जब क्लब अपने स्ट्राइकर गोंजालो गार्सिया को इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब फुलहम को बेचने के करीब पहुंच गया है। गोंजालो की यह डील लगभग 40 मिलियन यूरो में फाइनल होने वाली है, जिससे मैड्रिड को काफी रकम मिलेगी। इससे टीम में नए स्ट्राइकर को भी जगह मिलेगी।

ओडिशा टी-20 लीग सीएम ट्राफी के लिए 6 टीमों के 16-16 खिलाड़ियों वाले दस्ते तय

भुवनेश्वर

ओडिशा क्रिकेट संघ ने रविवार को ओडिशा टी-20 लीग-2026 सीएम ट्राफी के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट पूरा कर लिया। इसके साथ ही आगामी सत्र के लिए छहों फ्रेंचाइजी के दस्ते तय हो गए हैं। प्रत्येक टीम ने ड्राफ्ट के दौरान 16 खिलाड़ियों का चयन किया। लीग के नए सत्र में राज्य के उभरते क्रिकेटरों को पेशेवर मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने और करियर में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को प्रतियोगिता का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।

ओडिशा टी-20 लीग-2026 सीएम ट्राफी में भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटंस, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वारियर्स और कटक पैंथर्स की टीमें हिस्सा लेंगी। ओडिशा क्रिकेट संघ के मानद सचिव संजय बेहरा ने कहा, ओडिशा टी-20 लीग के दूसरे सत्र की ओर बढ़ते हुए मैं सभी टीम मालिकों, कोच, टीम प्रबंधकों और ओडिशा क्रिकेट संघ के सदस्यों के निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। फ्रेंचाइजी मालिकों और निवेशकों की उत्साहजनक रुचि लीग के व्यावसायिक विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को मजबूत मंच देने और उन्हें अगले स्तर तक पहुंचने का रास्ता तैयार करने के बारे में है। हम लीग को लगातार मजबूत करेंगे, अपने क्रिकेटरों को अधिक अवसर देंगे और ओडिशा क्रिकेट को आगे ले जाएंगे। समारोह में ओडिशा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष पंकज लोचन महंती, सचिव संजय बेहरा, उपाध्यक्ष जगमोहन पटनायक, कोषाध्यक्ष विकास प्रधान और संयुक्त सचिव प्रभात कुमार भोल मौजूद रहे।

छह टीमों के पूरे दस्ते

■ **भुवनेश्वर टाइगर्स**
मुख्य कोच: सुबित बिस्वाल
सहायक कोच: बिभुदत्त पांडा
कप्तान: स्वस्तिक सामल
खिलाड़ी: राजेश मोहंती, श्रेयांश भारद्वाज, बादल बिस्वाल, आशुतोष छुरिया, संबित बेजा, एमडी सोहेल खान, दिनेश कुमार माझी, ज्ञान रंजन नायक, रुद्र प्रसाद मलिक, जनम जय जेना, स्वयंभू पलई, रितेश प्रियारंजन, राकेश पटनायक, उमेश कुमार गौतम, शशिकांत यादव।

■ **पुरी टाइटंस**
मुख्य कोच: प्रीतमजीत दास
सहायक कोच: आशीष सविता
कप्तान: आदित्य राउत
खिलाड़ी: निहार बी. भुइयां, दीपक तिवारी, श्रीयांशु पटनायक, आयुष सुतार, स्वयं श्रीवास्तव, चांदीप रियार, अनिल परिडा, कृष्णा मोहंती, सुनील राउल, पनकला शशांक, आदित्य आनंद, सुमित शर्मा, आशीर्वाद स्वैन, सर्वेश्वर मोहंती, तरणी सा।

■ **क्योंझर माइनर्स**
मुख्य कोच: सूर्यकांत प्रधान
सहायक कोच: गिरिजा राउत
कप्तान: सुभ्रांशु सेनापति
खिलाड़ी: राजेश धूपर, देबाब्रत प्रधान, जमाला महापात्रा, सुजल सिंह, प्रयास कुमार सिंह, वागीश शर्मा, आयुष बारिक, विमल कुमार, जोगेश्वर बाग, स्वागत सौरव मिश्रा, अर्णब पटनायक, मयंक पटनायक, क्षमा सागर बाल, राकेश बिस्वाल, सोयांशु पटनायक।

■ **राउरकेला सुपरस्टार्स**
कोच: संजय राउल
सहायक कोच: प्रशांत साहू
कप्तान: गोविंदा पोद्दार
खिलाड़ी: संबित बराल, सावन पहारिया, बिस्वजीत प्रधान, आशुतोष मारंडी, पप्पू राय, संदीप पटनायक, बिवाश शा, आकाश महापात्रा, शुभम प्रियदर्शी, प्रयान सामल, शोभन देव बेहरा, दिव्यम छापड़िया, अभिषेक कुमार यादव, सौभाग्य राउत, ओंकार मोहंती।

■ **संबलपुर वारियर्स**
मुख्य कोच: बसंत मोहंती
सहायक कोच: राकेश मोहंती
कप्तान: गौरव चौधरी
खिलाड़ी: स्वूप समिथ भुइयां, बिक्रम किशोर सामल, अंकित यादव, देबाब्रत प्रधान जूनियर, महेश साहू, बैभव मोहंती, सार्थक पांडा, पनकला मोक्षित, शांतनु मिश्रा, एमडी दानिश, सैदीप महापात्रा, प्रदीप प्रधान, सैयद तुफैल अहमद, ओम टी. मुंडे, सौम्य रंजन लेंका।

■ **कटक पैंथर्स**
मुख्य कोच: प्रवंजन मलिक
सहायक कोच: दीपक मंगराज
कप्तान: बिप्लब सामंतराय
खिलाड़ी: डी. आयुष, एम. गौतम गोपाल, सौम्य रंजन बिस्वाल, सिबुन नंदा, अभिरूप दास, सार्थक एस. प्रकाश, सुभासिस मलिक, राज यादव, प्रियांशु मोहंती, पियूष मंत्री, अभिषेक सिंह, प्रशांत राणा, कार्तिक बिस्वाल, सौरव गौड़ा, शुभम शत्रुजीत।

20 सितंबर से शुरू होगा मुकाबला - ओडिशा टी20 लीग 2026 सीएम ट्राफी की शुरुआत 20 सितंबर से होगी। पहले मुकाबले में संबलपुर वारियर्स का सामना कटक पैंथर्स से होगा। लीग चरण के मुकाबले 27 सितंबर तक खेले जाएंगे। 28 सितंबर को महिला प्रदर्शनी मुकाबले के साथ दूसरे और तीसरे स्थान की टीमों के बीच क्वालीफायर होगा, जबकि फाइनल 29 सितंबर को खेला जाएगा।

कार्यक्रम:

- 20 सितंबर: संबलपुर वारियर्स बनाम कटक पैंथर्स
- 21 सितंबर: क्योंझर माइनर्स बनाम भुवनेश्वर टाइगर्स; राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम संबलपुर वारियर्स
- 22 सितंबर: पुरी टाइटंस बनाम कटक पैंथर्स; संबलपुर वारियर्स बनाम भुवनेश्वर टाइगर्स
- 23 सितंबर: राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम पुरी टाइटंस; भुवनेश्वर टाइगर्स बनाम कटक पैंथर्स
- 24 सितंबर: क्योंझर माइनर्स बनाम संबलपुर वारियर्स; पुरी टाइटंस बनाम भुवनेश्वर टाइगर्स
- 25 सितंबर: राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम कटक पैंथर्स; पुरी टाइटंस बनाम क्योंझर माइनर्स
- 26 सितंबर: राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम भुवनेश्वर टाइगर्स; क्योंझर माइनर्स बनाम कटक पैंथर्स
- 27 सितंबर: पुरी टाइटंस बनाम संबलपुर वारियर्स; राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम क्योंझर माइनर्स
- 28 सितंबर: महिला प्रदर्शनी मुकाबला और क्वालीफायर
- 29 सितंबर: फाइनल।

भारत-पाकिस्तान ट्राई सीरीज शुरू करने पर विचार कर रहा आईसीसी

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब भारत और पाकिस्तान के बीच एक त्रिकोणीय सीरीज आयोजित करने की योजना बना रहा है। इसमें प्रशंसकों को दोनो के बीच अधिक मुकाबले देखने को मिलेंगे। अभी दोनो ही टीमें केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही आमने-सामने होती हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय से दोनो के ही बीच बढ़ते तनाव के कारण कोई भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली गई है। दोनों देशों के बीच आखिरी द्विपक्षीय भिड़ंत 2012-13 के सत्र में हुई थी, जब पाकिस्तान टीम ने भारत का दौरा किया था।

अब आईसीसी एक ऐसे बहुपक्षीय टूर्नामेंट या सीरीज की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें शामिल होंगी। यह प्रस्ताव एक ट्राई सीरीज के रूप में हो सकता है, जिसमें तीन टीमें हिस्सा लेंगी, या फिर चार टीमों का एक बड़ा टूर्नामेंट भी आयोजित किया जा सकता है।आईसीसी को पता है कि इन दोनो के बीच मैच से भारी राजस्व भी मिलता है।

गौरतब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारतीय टीम के साथ तटस्थ स्थल पर मैच खेलने की मांग करता रहा है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड इससे इंकार करता रहा है। आगामी 22 और 23 सितंबर को आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन होना है, जिसमें सभी पूर्ण सदस्य देशों और आठ सहयोगी सदस्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसी सेमिनार से पहले इस मल्टी-नेशन सीरीज पर भी विचार होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, इस सेमिनार में भारत-पाकिस्तान को शामिल करने वाली इस ट्राई सीरीज या चार-टीमों के टूर्नामेंट का विचार औपचारिक रूप से पेश किया जा सकता है। इस प्रस्ताव के पीछे का प्रमुख तर्क यह है कि ऐसे टूर्नामेंट से जबरदस्त राजस्व (रेवेन्यू) उत्पन्न किया जा सकता है। यह न केवल प्रसारकों के लिए, बल्कि आयोजकों के लिए भी एक बड़ा आर्थिक अवसर प्रदान करेगा, जिससे क्रिकेट के वैश्विक विकास में भी मदद मिल सकती है। यदि इस महत्वाकांक्षी योजना को हरी झंडी मिल जाती है, तो इसे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), आस्ट्रेलिया या इंग्लैंड जैसे किसी तटस्थ और सुरक्षित स्थान पर आयोजित किया जा सकता है। गौरतलब है कि पूर्व में, पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों ही भारत के साथ ट्राई सीरीज खेलने की अपनी इच्छा जता चुके हैं। उस समय आईसीसी ने स्पष्ट किया था कि ऐसी सीरीज पर निर्णय उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, बल्कि यह संबंधित देशों के क्रिकेट बोर्ड का व्यक्तिगत फैसला होता है।

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने मार्क कोल्स

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोमवार को मार्क कोल्स को महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक कठोर चयन प्रक्रिया के बाद की गई है। उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से कोल्स अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। यह दोनों देशों की महिला टीमों के बीच पहली अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला होगी। न्यूजीलैंड के कोल्स इससे पहले पाकिस्तान और स्काटलैंड की महिला टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने स्काटलैंड की पुरुष टीम के साथ सहायक कोच के रूप में भी काम किया है। इसके अलावा वह क्रिकेट पापुआ न्यू गिनी में उच्च प्रदर्शन प्रबंधक रहे हैं और आस्ट्रेलिया में कोचिंग सलाहकार की भूमिका भी निभा चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम घोषित, लाबुशेन पर फिर जताया भरोसा

सिडनी

बांग्लादेश के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद आस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी टेस्ट दौरे के लिए मार्नस लाबुशेन को टीम में बरकरार रखा है। आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला 9 अक्टूबर से शुरू होगी। यह 2018 के विवादित दौरे के बाद पहली बार होगा जब आस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

लाबुशेन को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में केवल 1, 31 और 4 रन बनाने के बावजूद टीम में जगह मिली है। उनका आखिरी टेस्ट शतक तीन साल पहले मैनचेस्टर में आया था। आस्ट्रेलिया ने उन्हें एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उन पर भरोसा बरकरार रखा है।

आस्ट्रेलिया ने टीम में युवा आलराउंडर कूपर कोनोली को भी शामिल किया है। कोनोली ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था और उनके नाम अभी सिर्फ एक टेस्ट मैच है। मैथ्यू कुह्नेमैन और माइकल नेसर को भी टीम में जगह मिली है।

कुह्नेमैन बाएं हाथ के स्पिनर हैं और वह आफ स्पिनर नाथन लियोन को अतिरिक्त स्पिन विकल्प प्रदान करेंगे। वहीं, नेसर अपनी आलराउंड क्षमताओं के कारण दक्षिण अफ्रीका में उपयोगी साबित हो सकते हैं। पिंडली की चोट के कारण वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे थे। 2025-26 की एशेज श्रृंखला में तीन मैचों में 15 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने वाले नेसर के अपने जन्म के देश दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की संभावना है।

आस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड के सलामी जोड़ीदार के रूप में मैथ्यू रेनशा को भी बरकरार रखा है। डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद रेनशा ने जेक वेदराल्ड की जगह ली थी। पिछले घरेलू सत्र में शेफील्ड शील्ड के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज रहे रेनशा ने 10 पारियों में तीन शतक लगाए थे। मैके टेस्ट की एकमात्र पारी में वह आठ रन पर आउट हुए, लेकिन चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उन्हें फिर मौका दिया है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे का पहला टेस्ट 9 अक्टूबर से डरबन के किंग्समीड में खेला जाएगा। इसके बाद 18 अक्टूबर से गकेबरहा के सेंट जार्ज पार्क में दूसरा टेस्ट होगा, जबकि श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला 27 अक्टूबर से केपटाउन के न्यूलैंड्स में खेला जाएगा।

आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम:

पैट कमिंस (कप्तान), स्काट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुह्नेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मैथ्यू रेनशा, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

टेवेज के विदाई मैच में एक साथ खेल सकते हैं मेसी ओर रोनाल्डो

बार्सिलोना

हाल ही में फुटबाल से संन्यास लेने वाले अर्जेंटीना के महान फुटबालर लियोनेल मेसी ओर पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब एक विदायी मैच में एक साफ खेलते नजर आ सकते हैं। रोनाल्डो और मेसी के बीच पिछले एक दशक में कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है पर आने वाले एक मैच में ये दोनो दिग्गज एक साथ दिख सकते हैं। ये दोनो ही इस साल के अंत में अर्जेंटीना के पूर्व स्टार फुटबालर कार्लोस टेवेज के विदाई मैच में खेल सकते हैं। इससे दोनो के प्रशंसक भी हैरान होने के साथ ही उत्साहित हैं।

इसका कारण ये है कि पिछले लगभग 15 वर्षों से, रोनाल्डो और मेसी की प्रतिद्वंद्विता फुटबाल जगत में हावी रही है। ला लीगा में रोनाल्डो ने रियल मैड्रिड के लिए और मेसी ने बार्सिलोना के लिए खेलते हुए कई यादगार मुकाबले जीते हैं। राष्ट्रीय टीमों की ओर से खेलने के दौरान और क्लब स्तर पर ये दोनो ही 37 बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल हैं पर कभी भी एक टीम में नहीं रहे हैं। इन दोनों महान खिलाड़ियों ने मिलकर रिकार्ड 13 बैलन डी खिताब जीते हैं। दोनो के ही प्रशंसक अपने-अपने स्टार खिलाड़ी के बेहतर होने के दावे करते रहे हैं। वहीं कार्लोस टेवेज ने इन दोनो के साथ ही खेला है और वह विदाये मैच में इन्हें साथ ला रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अनुसर टेवेज ने अपने पूर्व क्लब बोका जूनियर्स के अध्यक्ष जुआन रोमन रिकेल्मे से ला बाम्बोनेरा स्टेडियम में इस मैच को आयोजित करने पर बात की है। रिकेल्मे ने इस खास आयोजन के लिए अपनी सहमति दे दी है। गौरतलब है कि बोका जूनियर्स से अपना पेशेवर करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबाल से संन्यास ले लिया था। अब पांच साल बाद, वे अपने करियर को एक भव्य विदाई देने की तैयारी में हैं। ये मैच दिसंबर महीने में होना तय है। जिससे बोका जूनियर्स के कार्यक्रम पर इसका कोई असर न पड़े।

गौरतलब है कि रोनाल्डो और मेसी जैसे दिग्गजों को एक साथ खेलने के लिए मनाना किसी और के लिए शायद असंभव होता, लेकिन टेवेज के लिए यह संभव है। दरअसल, टेवेज अर्जेंटीना की नेशनल टीम में मेसी के साथ और मैनचेस्टर यूनाइटेड में रोनाल्डो के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं।

आज भी उनके दोनों दिग्गजों के साथ अच्छे संबंध हैं। टेवेज का मानना है कि वह इन दोनो को एकसाथ लाने में सफल रहेंगे। अगर टेवेज इसमें कामयाब होते हैं, तो यह केवल एक विदाई मैच नहीं, बल्कि फुटबाल इतिहास में एक स्वर्णिम पल होगा, जो हमेशा याद रखा जाएगा। यह दुनिया भर के करोड़ों फुटबाल प्रेमियों के लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा।

सेवा भारती अस्पताल को उन्नत शल्य चिकित्सा उपकरण दान

हैदराबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कार्यरत वैश्विक क्षमता केंद्र एनजेन ग्लोबल ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम 'एनजेन सर्व' के तहत हैदराबाद के सीतारामबाग स्थित सेवा भारती एलसीएच ग्रीनलैंड्स ट्रस्ट–डॉ. ईश्वर चंदर धर्मार्थ अस्पताल को उन्नत अस्थि एवं दूरबीन आधारित शल्य चिकित्सा उपकरण दान किए। रविवार को सेवा भारती अस्पताल, सीतारामबाग में आयोजित कार्यक्रम में एनजेन के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी श्रीनिवास अय्यागरी, एनजेन ग्लोबल के मुख्य वित्तीय अधिकारी एवं 'एनजेन सर्व' के प्रमुख अरविंद श्रीनिवासन, निदेशक अमृता, सेवा भारती अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. वेद प्रकाश, सेवा भारती के राज्य सचिव सुब्रमण्यम, उपाध्यक्ष राम मूर्ति प्रभाला तथा लायंस क्लब के प्रतिनिधि विद्या भूषण की उपस्थिति में उपकरण अस्पताल को सौंपे गए।

सेवा भारती अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. वेद प्रकाश ने कहा कि इन उपकरणों से अस्पताल की शल्य चिकित्सा क्षमता मजबूत होगी और जरूरतमंद परिवारों को कम लागत में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल में ही विभिन्न प्रकार की शल्य प्रक्रियाएं किए जाने से मरीजों को महंगे निजी अस्पतालों में उपचार कराने की आवश्यकता कम होगी।दान किए गए अस्थि शल्य चिकित्सा उपकरणों से जोड़ों की दूरबीन आधारित शल्य चिकित्सा, स्नायुबंधन क्षति की मरम्मत सहित अन्य अस्थि संबंधी प्रक्रियाओं में सहायता मिलेगी। वहीं, दूरबीन आधारित शल्य चिकित्सा उपकरणों के माध्यम से अपेंडिक्स एवं पित्ताशय के ऑपरेशन सहित कम चीरे वाली विभिन्न शल्य प्रक्रियाएं की जा सकेंगी।

एनजेन ग्लोबल के मुख्य वित्तीय अधिकारी एवं 'एनजेन सर्व' के प्रमुख अरविंद श्रीनिवासन ने कहा कि अच्छी स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच किसी परिवार की आर्थिक क्षमता पर निर्भर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के माध्यम से आवश्यक शल्य चिकित्सा सुविधाओं को अधिक सुलभ एवं किफायती बनाने में सहयोग करना उनके लिए गर्व की बात है।

एनजेन के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी श्रीनिवास अय्यागरी ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य व्यावसायिक गतिविधियों से आगे बढ़कर उन समुदायों में सार्थक प्रभाव पैदा करना है, जिनकी वह सेवा करती है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों तक गुणवत्तापूर्ण शल्य चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के लिए सेवा भारती को सहयोग प्रदान करते हुए उन्हें गर्व महसूस हो रहा है।

फेमिना मिस्स इंडिया तेलंगाना 2027 लॉन्च

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मिस्स इंडिया ऑर्गनाइजेशन (वर्ल्डवाइड मीडिया, टाइम्स ग्रुप) और मेघा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने तेलंगाना की आत्मविश्वासी व प्रतिभाशाली महिलाओं को राष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए फेमिना मिस्स इंडिया तेलंगाना 2027 की शुरुआत की है।

यह संस्करण महज ब्यूटी पेजेंट नहीं, बल्कि तेलंगाना की महिलाओं, संस्कृति, विरासत, परंपराओं, प्रतिभा और समकालीन पहचान का उत्सव बनेगा। प्रेस मीट में विशेष अतिथि के रूप में फेमिना मिस्स इंडिया साउथ 2026 इंदु फाल्गुनी और फेमिना मिस्स इंडिया तेलंगाना 2024 प्रकृति कंबम मौजूद रहीं। मेघा सर्विसेज को तीन वर्ष के लिए एक्सक्लूसिव स्टेट लाइसेंसी नियुक्त किया गया है। साझेदारों में मीडिया कनेक्ट, जिलानी ग्रुप और नॉर्थ बाउंड हॉस्पिटैलिटी शामिल हैं।

रजिस्ट्रेशन www.feminamissindiatelangana.com पर खुले हैं। राज्य-स्तरीय ऑडिशन अक्टूबर-नवंबर 2026 में और ग्रैंड फिनाले दिसंबर 2026 में हैदराबाद में प्रस्तावित है। प्रेस मीट 7 सितंबर 2026 को द वेस्टिन हैदराबाद माइंडस्पेस में हुई। वारंगल की ऐतिहासिक विरासत से लेकर हैदराबाद की आधुनिक ऊर्जा तक तेलंगाना की विविधता को सामने लाने का लक्ष्य है। प्रतिभा को हैदराबाद से आगे पूरे राज्य में खोजा जाएगा।

विजेता फैशन, मॉडलिंग, मनोरंजन, मीडिया और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पेजेंट्री के अवसर पाएंगी। मेघा सर्विसेज के एमडी व सीईओ सदाशिव एम. कोटली सहित साझेदारों ने प्रतिभा खोज, ग्रूमिंग और अवसरों पर जोर दिया। यह पहल तेलंगाना की युवा पीढ़ी की गरिमा, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय पहचान को आगे बढ़ाएगी।

नए श्रम कानूनों में व्यापारियों को बड़ी राहत : प्रकाश पिरगल

बेंगलूरु, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक में नए श्रम कानूनों एवं श्रम विभाग द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण सुधारों से व्यापारियों और छोटे प्रतिष्ठानों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। इन बदलावों के लिए दी बैंगलोर होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन (बीडब्ल्यूसीएमए) द्वारा लगातार किए गए प्रयासों और प्रभावी संवाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

बीडब्ल्यूसीएमए के प्रतिनिधियों ने श्रम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें एवं चर्चाएं कर व्यापारियों की व्यावहारिक समस्याओं और मांगों को प्रभावी ढंग से रखा। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण प्रावधानों में राहत प्रदान की गई है।

बीडब्ल्यूसीएमए के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने बताया कि पहले व्यापारियों को बार-बार पंजीकरण एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, जबकि अब दुकानों एवं प्रतिष्ठानों के पंजीकरण को एक बार करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। यह बीडब्ल्यूसीएमए की प्रमुख मांगों में से एक थी। वहीं, जिन दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में 9 से कम कर्मचारी हैं, उन्हें नए प्रावधानों के तहत कई महत्वपूर्ण राहत एवं छूट प्रदान की गई हैं। इससे छोटे व्यापारियों पर अनुपालन का बोझ कम होगा।

उन्होंने बताया कि अब गोदाम के लिए अलग प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होने का प्रावधान भी किया गया है। इससे अनावश्यक कागजी कार्रवाई और प्रक्रियात्मक बोझ कम होगा। इन सुधारों से विशेष रूप से छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को सरकारी प्रक्रियाएं सरल बनाने तथा अनावश्यक अनुपालन और कागजी कार्रवाई कम करने में मदद मिलेगी।

पिरगल के अनुसार, इन महत्वपूर्ण सुधारों के लिए सरकार एवं संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु बीडब्ल्यूसीएमए द्वारा विशेष बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त श्रम आयुक्त डॉ. मंजूनाथ ने कहा कि बीडब्ल्यूसीएमए के माध्यम से व्यापारियों की मांगों को प्रभावी रूप से सरकार एवं श्रम विभाग तक पहुंचाया गया।

उन्होंने कहा कि करीब 50 वर्षों बाद पहली बार इस प्रकार का महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है, जो व्यापारिक समुदाय के लिए बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में बीडब्ल्यूसीएमए अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. मंजूनाथ का स्वागत सचिव योगेश सेठ, उपाध्यक्ष नरेश मुथा एवं सहसचिव मनोज जैन ने किया। इस बदलाव के लिए भारत सरकार के व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी के विशेष सहयोग के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया।र

प्रजावाणी में समस्याओं का समाधान नहीं होने का आरोप

मदनूर, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा मंडल अध्यक्ष तेपावार तुकाराम ने प्रजावाणी कार्यक्रम में अधिकारियों की कथित लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की ओर से मंडल केंद्र में प्रत्येक सोमवार को जनता की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए प्रजावाणी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, लेकिन शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद समय पर समाधान नहीं हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रजावाणी में आवेदन दिए हुए एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी कई समस्याएं लंबित हैं।

विभिन्न विभागों के अधिकारी समस्याओं का समाधान करने के बजाय समय व्यतीत कर रहे हैं, जिससे स्थानीय जनता में प्रजावाणी कार्यक्रम और अधिकारियों के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।तेपावार तुकाराम ने अधिकारियों से प्रजावाणी में प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए जनता की समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

राष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस पर निबंध प्रतियोगिता के खम्मम जिला स्तरीय विजेता घोषित

खम्मम, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस के अवसर पर हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन, हैदराबाद तथा इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म के प्रिंसिपल महेश अग्रवाल के नेतृत्व में 'प्लास्टिक मुक्त एक दिन' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह जानकारी गायत्री परिवार युग निर्माण मिशन के जिला समन्वयक एवं हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के सदस्य डॉ. सतीश खंडेलवाल ने दी। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें से तीन विद्यार्थियों को जिला स्तरीय विजेता चुना गया।

प्रथम: ए. हर्षिता, कक्षा 10, जवाहर डीएवी हाई स्कूल, मादारम।

द्वितीय: टी. शिक्षा, कक्षा 8, श्री सरस्वती विद्यालयम्, सुभाष नगर।

तृतीय: के. माहन्या, कक्षा 9, सिंगरेनी हाई स्कूल, इल्लंदु।

डॉ. सतीश खंडेलवाल ने बताया कि तीनों विजेताओं को राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर को स्मृति चिह्न एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाएंगे।

पर्यावरण-अनुकूल सीड गणेश मूर्तियां वितरित

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स के विपणन व निर्माता जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया लिमिटेड (जीईएफ इंडिया) ने स्थायी व पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए 10,000 इको-फ्रेंडली सीड गणेश मूर्तियां वितरित करने का निर्णय लिया है।

जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ लोग पर्यावरण-अनुकूल गणेश मूर्तियों की पूजा कर रहे हैं, क्योंकि इनके विसर्जन से जल स्रोतों को कोई नुकसान नहीं होता। फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स हैदराबाद में 5,000 तथा बेंगलुरु में 5,000 इको-फ्रेंडली सीड गणेश बॉक्स वितरित करेगा। मार्केटिंग हेड श्री चेतन पिंपलखुते और उनकी टीम ने रिज टावर्स, माई होम ज्वेल, वन सिटी, साई मित्रा टावर्स, कृष्णकुंज गार्डिनिया, मलेशियन टाउनशिप्स रेन ट्री पार्क, स्वानलेक अपार्टमेंट, रेनबो विस्टा, जनप्रिय मेट्रोपोलिस, सैटेलाइट अपार्टमेंट, वर्टेक्स प्राइम, रेनबो विस्टास रॉक गार्डन-1 व 2 आदि अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में वितरण के लिए वाहनों को रवाना किया।

पारंपरिक प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां व कृत्रिम रंग जल में लंबे समय तक बने रहते हैं। पर्यावरण के प्रति बढ़ती चेतना के चलते लोग अब मिट्टी की, पानी में घुलनशील व खाद-बीज युक्त मूर्तियों को प्राथमिकता दे रहे हैं। विसर्जन के बाद ये मूर्तियां पौधे के रूप में विकसित होती हैं। फ्रीडम का ग्रीन गणेश अभियान पिछले सात वर्षों से चलाया जा रहा है। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग) श्री पी. चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा कि परंपरा और पर्यावरण दोनों को साथ लेकर उत्सव मनाने के लिए 10,000 इको-फ्रेंडली सीड गणेश मूर्तियां वितरित की जा रही हैं। मार्केटिंग हेड श्री चेतन पिंपलखुते ने कहा कि सीड गणेश मूर्ति आस्था, परंपरा और स्थिरता का संगम है। विसर्जन के बाद यह नया पौधा उगाती है, जो विकास, नवीनीकरण और समृद्धि का प्रतीक है। परिवारों, विशेषकर बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का यह प्रयास पिछले सात वर्षों से जारी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गिरवी...

गिरवी का कारोबार आखिर भरोसे पर ही टिका होता है। ग्राहक जब अपने गहने किसी दुकान पर छोड़ता है तो वह केवल सोना नहीं सौंपता, बल्कि अपनी वर्षों की मेहनत की पूंजी किसी दूसरे के भरोसे करता है। ऐसे में यदि दुकान बंद हो जाए, मालिक का पता न चले और गिरवी रखे आभूषणों पर सवाल खड़े हो जाएं, तो ग्राहक की परेशानी सिर्फ आर्थिक नहीं रहती – उसका भरोसा भी संकट में पड़ जाता है।

सोने के आभूषण बनाने के पीछे कई परिवारों की वर्षों की बचत और मेहनत जुड़ी होती है। ऐसे मामलों में यदि जांच के दौरान किसी तरह की धोखाधड़ी या वित्तीय अनियमितता सामने आती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होना जरूरी है। साथ ही ग्राहकों की मेहनत की पूंजी और गिरवी रखे आभूषणों की सुरक्षा को लेकर भी पुलिस को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करनी होगी।

फिलहाल वायरल वीडियो, बंद दुकान और ग्राहकों की बढ़ती बेचैनी ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया है। अब ग्राहकों की नजर पुलिस कार्रवाई पर है। जगत गिरी गुट्टा पुलिस जांच और दुकान संचालक का पक्ष सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि मामला महज दुकान बंद होने का है या इसके पीछे बड़े पैमाने पर पैसों के लेन-देन का विवाद, वित्तीय अनियमितता अथवा धोखाधड़ी का मामला है।

ठग ऑफ...

शिकायतकर्ता का दावा है कि नौकरी और वीजा से संबंधित प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर रकम लेने के बाद उन्हें जो प्रमाणपत्र दिया गया, वह फर्जी था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह प्रमाणपत्र किस माध्यम से तैयार किया गया, रकम का लेनदेन किन खातों से हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में कौन-कौन लोग शामिल थे। फिलहाल मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है। नंदना और अन्य आरोपियों पर लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

नस्लीय नफरत...

बढ़ावा देने के लिए वैध तर्कों की आड़ नहीं ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नस्लीय टिप्पणियां नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद लापता नौ सिंगापुरी नागरिकों को लेकर हुई चर्चाओं में सामने आईं। वहीं, सिंगापुर एयरलाइंस के एयर इंडिया में निवेश को लेकर उठे सवालों के साथ भारतीय-विरोधी टिप्पणियां भी की गईं।

वोंग ने कहा कि ऐसे विचार पूरे सिंगापुर का प्रतिनिधित्व नहीं करते, लेकिन उन्हें केवल ऑनलाइन की सामान्य बातचीत मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसे व्यवहार को नहीं रोका गया तो यह सामान्य हो सकता है, समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ सकता है और समाज में विभाजन पैदा हो सकता है।

भारतीय मूल के गृह मंत्री ने जांच के दिए आदेश

गृह मामलों के मंत्री के. षणमुगम ने 5 सितंबर को कहा कि उन्होंने पुलिस से इन पोस्ट की जांच करने को कहा है। डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्रालय सामाजिक माध्यमों के मंचों से उन टिप्पणियों को हटाने के लिए भी कहेगा, जो उनके नियमों का उल्लंघन करती हैं।

नेपाल में आई बाढ़ में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी और नौ सिंगापुरी नागरिकों का पता नहीं चल पाया था। सिंगापुर की आबादी 60 लाख से अधिक है। इसमें करीब 75 प्रतिशत चीनी मूल के लोग, 15 प्रतिशत मलय और करीब 9 प्रतिशत भारतीय हैं, जबकि बाकी अन्य समुदायों से हैं।एयर इंडिया में सिंगापुर एयरलाइंस के निवेश को लेकर भी ऑनलाइन भारतीयों के खिलाफ टिप्पणियां सामने आईं। षणमुगम ने इसे भारतीय-विरोधी और नस्लीय बयानबाजी बताया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन पोस्ट में 'सांप, करी, प्राटा, काला जादू' और अन्य नस्लीय रूढ़ियों का इस्तेमाल किया गया।

इसका निशाना सिंगापुर एयरलाइंस की बहुमत हिस्सेदारी रखने वाली टेमासेक और उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिलहान पिल्लै संद्रसेगरा भी बने। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि भारतीय मूल के पिल्लै अपनी पृष्ठभूमि के कारण एयर इंडिया का पक्ष लेंगे। षणमुगम ने इसे नस्लीय और मानहानिकारक तर्क बताया और कहा कि पिल्लै 'हममें से किसी भी व्यक्ति की तरह सिंगापुरी हैं।' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर लोगों पर उनके जातीय मूल के आधार पर कारोबारी या सरकारी फैसलों को लेकर हमला करने की अनुमति दी गई तो भविष्य में हर व्यक्ति को उसकी जातीयता के आधार पर निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें ऑनलाइन गुमनामी के पीछे छिपने नहीं दिया जाना चाहिए।

मीडिया ने भी उठाए कदम

सिंगापुर के मीडिया ने भी ऐसी टिप्पणियों को रोकने के लिए कदम उठाए हैं। सीएनए की सामाजिक माध्यम निगरानी नीति के तहत नफरत फैलाने वाली, नस्लीय या आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वाले उपयोगकर्ताओं को प्रतिबंधित किया जाता है। प्रसारक ने कई टिप्पणियां हटाई हैं और नेपाल आपदा से जुड़ी कुछ पोस्ट पर आपत्तिजनक सामग्री की संख्या और लगातार जारी रहने के कारण टिप्पणी की सुविधा भी बंद कर दी।

तेलंगाना ...

कराने का अधिकार है। महिला विधायकों के साथ पुलिस के कथित व्यवहार पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल महिला विधायकों का अपमान नहीं, बल्कि पूरे तेलंगाना समाज के लिए शर्मनाक स्थिति है। उन्होंने सरकार से घटना की गंभीरता से जांच कराने और जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। बीआरएस नेताओं का आरोप है कि विधानसभा सत्र के दौरान पार्टी विधायकों को विभिन्न मुद्दों पर विरोध दर्ज कराने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में महिला विधायकों के साथ पुलिस के व्यवहार को लेकर पार्टी नेताओं ने सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को यह समझना चाहिए कि विधायक जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की।

बीआरएस नेताओं ...

धक्का-मुक्की और हाथापाई की स्थिति बन गई। बाद में पुलिस ने केटीआर, हरीश राव समेत कई नेताओं को हिरासत में लेकर तेलंगाना भवन ले जाया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान महिला बीआरएस विधायकों के साथ भी कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने के आरोप लगे। बीआरएस नेताओं ने पुलिस पर महिला विधायकों को खींचने और उनके साथ अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर, पुलिस ने घटना से जुड़े वीडियो फुटेज के आधार पर पुलिसकर्मियों के साथ कथित मारपीट, अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज के आरोपों में कार्रवाई की है। मामले में विधायक के.टी. रामा राव, टी. हरीश राव, सुधीर रेड्डी, संजय राव, एमएलसी नवीन कुमार और कौशिक रेड्डी के नाम शामिल बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि वीडियो फुटेज और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

इसी घटनाक्रम से जुड़े एक अन्य विवाद में एएलसी ताता मधु के कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर भी विधानसभा और विधान परिषद में कार्रवाई की मांग उठी है। सरकार की ओर से उनकी सदस्यता समाप्त करने की मांग की गई है।

'डेथ ट्रैप' बने ...

हादसे की जगह से करीब 100 मीटर की दूरी पर 'साईं प्रॉपर्टीज' के ब्रोकर धनराज ने टीम को एक पांच मंजिला पीजी में कमरे दिखाए।

करीब 810 फीट के इन कमरों का किराया बिना वातानुकूलन के 9 से 12 हजार रुपये और वातानुकूलित कमरे के लिए 18 से 20 हजार रुपये तक बताया गया। कमरा लेने के लिए एक महीने का अग्रिम किराया और 15 दिन का दलाली शुल्क देना होगा। साथ ही, कम से कम छह महीने की लॉक-इन अवधि भी बताई गई। लेकिन किराये से ज्यादा चिंता इमारत की स्थिति को लेकर है। सीढ़ियों पर पर्याप्त रोशनी नहीं थी। दीवारों पर सीलन दिखाई दी और कई जगह पाइपलाइन से पानी बहता नजर आया। ब्रोकर ने कैमरे पर यह भी बताया कि सत्य निकेतन में इमारत गिरने के बाद कई छात्र पुराने पीजी छोड़कर नए कमरे तलाश रहे हैं।

50 गज के भूखंड पर पांचवीं मंजिल!

आजतक की टीम ने मोती बाग गांव की संकरी गलियों में भी पड़ताल की। यहां एक मकान में मालकिन वीरवती और उनके बेटे नवीन ने टीम को पांचवीं मंजिल पर बना कमरा दिखाया। इलाके की गलियां इतनी संकरी हैं कि आपात स्थिति में दमकल या एंबुलेंस वहां समय पर पहुंच पाएगी या नहीं, इसे लेकर सवाल उठते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कई पुराने मकानों में बाद में अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई हैं। ऐसे निर्माण में इमारत की मूल संरचना और नींव की क्षमता की जांच सबसे अहम सवाल बन जाती है।

299 मकानों में 200 से ज्यादा पीजी चलने का दावा

इलाके के एक पुराने प्रॉपर्टी ब्रोकर ओम ने आजतक की टीम को सत्य निकेतन में पीजी के बड़े कारोबार के बारे में जानकारी दी। उनका दावा है कि इलाके में करीब 299 मकान हैं और इनमें से 200 से ज्यादा मकानों में व्यावसायिक पीजी चल रहे हैं।ओम के मुताबिक, कई 15-20 साल पुराने मकानों की मूल संरचना पर बाद में अतिरिक्त मंजिलें खड़ी कर दी गई हैं। बालकनी और छज्जों को बढ़ाकर भी अतिरिक्त जगह बनाई गई। अगर ये दावे सही हैं, तो यह सिर्फ एक इमारत की सुरक्षा का मामला नहीं, बल्कि पूरे इलाके में भवन सुरक्षा और अवैध निर्माण की निगरानी पर बड़ा सवाल है।

हादसे के बाद नगर निगम की कार्रवाई पर सवाल

सत्य निकेतन हादसे के बाद प्रशासन ने कार्रवाई और संरचनात्मक सुरक्षा परीक्षण की बात कही है। लेकिन सवाल यह है कि जिन इलाकों में लंबे समय से अतिरिक्त मंजिलें, पीजी और व्यावसायिक गतिविधियां चल रही हैं, वहां नियमित निगरानी क्यों नहीं हुई?सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या दिल्ली नगर निगम को इन निर्माणों की जानकारी नहीं थी? और अगर जानकारी थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? अगर कार्रवाई हुई थी, तो उसके बावजूद ऐसे निर्माण और पीजी दोबारा कैसे संचालित होते रहे?

छात्रावासों की कमी के बीच छात्रों की मजबूरी

दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए देशभर से छात्र राजधानी आते हैं। सीमित छात्रावास सीटों के कारण बड़ी संख्या में छात्रों को पीजी और किराये के कमरों का सहारा लेना पड़ता है।महंगे किराये और सीमित विकल्पों के बीच छात्र अक्सर ऐसे कमरे को चुनते हैं, जिसकी कीमत किफायती हो और वह कॉलेज से नजदीक हो। ऐसे में वे इमारत की संरचनात्मक सुरक्षा की जांच ज्यादा नहीं करते। इसी स्थिति का फायदा असुरक्षित या नियमों का उल्लंघन करने वाले पीजी संचालक उठाते हैं।

'डेथ ट्रैप' बनते पीजी पर कौन लगाएगा लगाम?

सत्य निकेतन का हादसा यह सवाल छोड़ गया है कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन जागेगा? अगर आसपास की इमारतों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बिना पीजी चल रहे हैं, अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई हैं और संकरी गलियों में बड़ी संख्या में छात्र रह रहे हैं, तो जिम्मेदारी सिर्फ हादसे के बाद जांच करने की नहीं, बल्कि हादसा होने से पहले खतरे की पहचान करने की भी है।

सरकार के संरचनात्मक सुरक्षा परीक्षण के दावों के बीच अब असली परीक्षा यह होगी कि जांच सिर्फ कागजों तक सीमित रहती है या दिल्ली के उन तमाम पीजी और इमारतों तक पहुंचती है, जहां छात्र हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर रह रहे हैं।

15 साल पुराने फर्जी...

से संबंधित कथित फर्जी शैक्षणिक दस्तावेज पेश किए गए थे। इसी आधार पर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं और पासपोर्ट अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

वर्ष 2011 में दर्ज हुआ था मामला

आचार्य बालकृष्ण का यह मामला करीब 15 साल पुराना, वर्ष 2011 का है। उनके खिलाफ फर्जी दस्तावेज के मामले में सीबीआई ने मुकदमा दर्ज किया था। मामले की जांच के दौरान वाराणसी पहुंची सीबीआई की टीम को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ने बताया था कि बालकृष्ण की हाईस्कूल और स्नातक की डिग्रियां सही नहीं हैं। बालकृष्ण जिन डिग्रियों को अपना होने का दावा कर रहे थे, वे वास्तव में खुर्जा के संस्कृत महाविद्यालय के नाम जारी की गई थीं।

रोल नंबरों की जांच में सामने आया अंतर

वाराणसी से मिली जानकारी के आधार पर सीबीआई की टीम सीधे खुर्जा के राधाकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय पहुंची। जांच में पाया गया कि बालकृष्ण की डिग्री में दर्ज हाईस्कूल का रोल नंबर 6118, कमला सिंह पुत्र नरोत्तम सिंह के नाम दर्ज था, जबकि डिग्री में दर्ज रोल नंबर 101706, लीला प्रसाद भट्टाराई पुत्र टेक प्रसाद भट्टाराई के नाम था।

इसी आधार पर आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अब देहरादून की विशेष सीबीआई अदालत ने मामले में फैसला सुनाते हुए उन्हें लगाए गए सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

शुद्धिकरण हवन...

महाधिवक्ता ने अदालत को आश्वस्त किया कि पुलिस भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के तहत निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करेगी तथा सभी सीसीटीवी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाएगा।

खंडपीठ ने कहा कि राज्य के सर्वोच्च विधि अधिकारी द्वारा दिए गए आश्वासन पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है। इसी आधार पर अदालत ने याचिका का निस्तारण करते हुए मामले को राज्य सरकार के आश्वासन के अनुरूप समाप्त कर दिया।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

वहीं, कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष सुजाता पॉल ने कहा कि दलित सम्मान से जुड़े कथित शुद्धिकरण हवन के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग के बावजूद हाईकोर्ट में सरकार की ओर से हल्द्वानी और बेंगलुरु की अलग-अलग प्राथमिकी का हवाला दिया गया।

उन्होंने सवाल उठाया कि कथित घटना और उसमें शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी कहां है और इन प्राथमिकी को मूल मामले से जोड़कर अदालत के सामने रखने का आधार क्या था? उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का नहीं, बल्कि दलित सम्मान, कानून और जवाबदेही का सवाल है।

राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगेंगे सांसद

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के दलित और आदिवासी सांसदों ने 'खड़गे शुद्धिकरण' मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं होने को लेकर राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगा है। सांसद दोपहर 2 बजे तक राष्ट्रपति से मुलाकात की कोशिश करेंगे।

अगर उन्हें समय नहीं मिलता है, तो कथित तौर पर आदिवासी महिला राष्ट्रपति पर सरकारी दबाव के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने की संभावना है। दोपहर 2 बजे कांग्रेस सांसद 24 अकबर रोड पर दोबारा बैठक कर सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

कांग्रेस इस मुद्दे को विधानसभा चुनाव से पहले अपने प्रमुख अभियान मुद्दों में शामिल करना चाहती है।

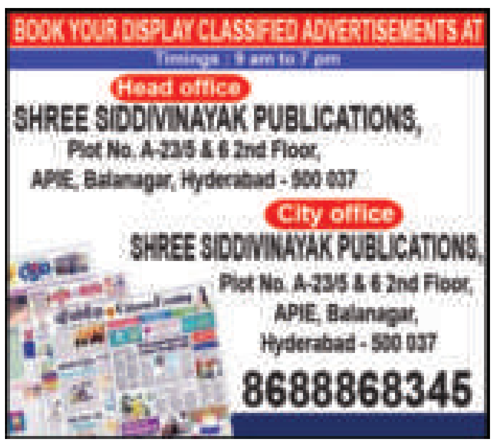

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 08 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हिंदी को हमारी जरूरत नहीं, बल्कि हमें हिंदी की जरूरत है : डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर – भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में दिनांक 07 सितंबर 2026 को वर्ष – 2026 के हिंदी पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता के रुप में डॉ. डी. डी. ओझा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विज्ञान लेखक आमंत्रित थे। संस्थान के निदेशक एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति – 5, हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि वर्तमान में हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। राष्ट्राध्यक्ष भारत के साथ अपने रिश्ते सुधारने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। आज आप हिंदी का प्रयोग करते हैं तो आपकी विशिष्ट पहचान बनती है। जाहिर है कि मौजूदा स्थिति में हिंदी को हमारी जरूरत नहीं बल्कि हमें हिंदी की जरूरत है। नराकास के अध्यक्ष के रुप में मेरा संकल्प है कि 'मैं हिंदी में काम करूंगा भी और कराऊंगा भी।'

श्री के. रवि कुमार, प्रशासन नियंत्रक ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताएँ हरेक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण की तरह है। इसमें आपकी भागीदारी आपको क्षमता संवर्धन के अवसर प्रदान करती है। हमने इस वर्ष कई नई एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया है तथा हिंदी में काम करने के लिए नई प्रोत्साहन योजनाएँ भी शुरु की हैं। अधिकारीगण इसका लाभ उठा सकते हैं। डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह, वैज्ञानिक – एफ ने इस अवसर पर अपने जापान प्रवास के अनुभव साझा करते हुए कहा कि विश्व के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में भी हिंदी की पढ़ाई होती है तथा लोग इस भाषा को विश्व की बड़ी भाषा के रुप में देखते हैं। उन्होंने इस अवसर भारतेंदु हरिश्चन्द्र के कथन 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय के सूल' का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिक चेतना के निर्माण में भारतीय भाषाओं एवं हिंदी के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. डी. डी. ओझा ने भाषाओं के विविध स्वरूपों का उल्लेख करते हुए प्रशासन में राजभाषा हिंदी के संवैधानिक दर्जा का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने मौजूद वैज्ञानिकों से हिंदी में विज्ञान लेखन की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी भाषा के माध्यम से विज्ञान का आविष्कार जन–जन तक पहुंचेगा। साथ ही भारत के समाज में वैज्ञानिक चेतना को बढ़ावा मिलेगा, जिससे समाज तार्किक होगा और अंधविश्वास, कुरीतियां आदि से मुक्ति मिलेगी। इस प्रकार उन्होंने सभी वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि हिंदी में विज्ञान लेखन करके आप राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान निभा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक विशिष्ट होते हैं, क्योंकि इनकी नजरिया तार्किक होता है। शुभारंभ समारोह में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री आदर्श कुमार, हिंदी अनुवादक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज के 31वें वर्षगांठ पर एनकेएस ग्रुप के कार्यालय एनकेएस प्राइड, नरसिंहराव नगर कॉलोनी, वनास्थलीपुरम में कंपनी के 31वें वर्षगांठ पूर्ण होने पर श्री डी. शरवन कुमार, बीआरएस नेता तथा भरत मानसिंह, गजानंद चौधरी, विष्णु यादव के साथ गोविंद राठी जी (बीजेपी नेता एवं उपाध्यक्ष एपी महेश बैंक) ने कंपनी के सीएमडी एन.के. सिंह को शॉल ओढ़ाकर बधाई दी।

गोविंद राठी से कथित दुर्व्यवहार पर भड़का आक्रोश

इमलीबन गौ भक्त टीम ने पुलिस कमिश्नर से दोषी अधिकारियों की बर्खास्तगी की मांग की

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री भाग्यानगर गणेश उत्सव समिति के उपाध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थानी प्रगति समाज के मंत्री गोविंद राठी के साथ पुलिस अधिकारियों द्वारा कथित दुर्व्यवहार का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इमलीबन गौ भक्त टीम के अध्यक्ष अजय राज शर्मा ने इस घटना को अत्यंत अशोभनीय एवं निंदनीय बताते हुए हैदराबाद पुलिस कमिश्नर से दोषी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग की है।

घटना के विरोध में सनातन समाज और विभिन्न संगठनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। श्री राम युवा सेना, गौ रक्षा दल, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन, मारवाड़ी गौ सेवा मंडल (इमलीबन गौशाला) और महिला मंडल समेत भाग्यनगर के गौ रक्षकों एवं गणेश भक्तों ने एक स्वर में पुलिस के कथित व्यवहार की कड़े शब्दों में भर्त्सना की है।अजय राज शर्मा, गिरधारी लाल शर्मा, महेश अग्रवाल, साईं तेजा, निहाल सिंह, ऋषभ शिंदे, रोहन यादव, अखिलेश, गजेंद्र व्यास, नटवर अट्टाल, बिरजू चांडक और संतोष सहित इमलीबन गौ भक्त टीम के सदस्यों का कहना है कि पुलिस का यह रवैया अस्वीकार्य है और इस प्रकार के कथित अत्याचार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।संगठनों ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि हिंदू समाज अब एकजुट हो चुका है। सरकार को स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए और गणेश उत्सव को हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए सनातन समाज का पूर्ण सहयोग करना चाहिए।संगठनों ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि पुलिस अधिकारियों की ओर से दुर्व्यवहार की पुष्टि होती है तो उनके खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं, आयोजकों और सामाजिक संगठनों के साथ सौहार्दपूर्ण एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।

नामपल्ली में राधे–राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान, सोहनलाल दायमा ने सराही सेवा भावना

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित किया गया। राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित की जा रही अन्नदान सेवा के माध्यम से मानवता और समाजसेवा का संदेश दिया जा रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सोहनलाल दायमा ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से की जा रही सेवाएं वास्तव में समाज के लिए अनुकरणीय हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना मानव सेवा का श्रेष्ठ कार्य है। राधे–राधे ग्रुप जिस निरंतरता, समर्पण और सेवाभाव के साथ अन्नदान का कार्य कर रहा है, वह निश्चित रूप से सराहनीय एवं प्रेरणादायक है।

सोहनलाल दायमा ने कहा कि आज के समय में समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हम सभी की जिम्मेदारी है। राधे–राधे ग्रुप के सदस्य इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं। नियमित रूप से अन्नदान करने से न केवल जरूरतमंदों को भोजन मिलता है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि अन्नदान हमारी भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे पुण्य और श्रेष्ठ सेवा कार्यों में माना गया है। राधे–राधे ग्रुप द्वारा इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नियमित रूप से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण है। उन्होंने सभी सदस्यों को इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवा की यह मुहिम निरंतर आगे बढ़ती रहनी चाहिए।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, दत्ता, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित राधे–राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों में सेवा कार्य के प्रति उत्साह और समर्पण दिखाई दिया। सभी ने एकजुट होकर अन्नदान सेवा को सफल बनाने में सहयोग किया।राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि समूह का उद्देश्य केवल अन्नदान करना ही नहीं, बल्कि समाज में परोपकार, सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करना भी है। नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने का प्रयास लगातार जारी है। सदस्यों ने कहा कि सेवा का यह कार्य आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

सिखवाल समाज सिकंदराबाद की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

नई कार्यकारिणी ने समाज को एकजुट कर नई दिशा देने का लिया संकल्प

हैदराबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज सिकंदराबाद की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह समाज के वरिष्ठजनों, बुजुर्ग बंधुओं एवं महिलाओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपनी–अपनी जिम्मेदारियों की शपथ लेते हुए समाज को नई दिशा देने तथा एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं समाजबंधुओं में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। शपथ ग्रहण के पश्चात पूर्व कार्यकारिणी के कार्यकाल की सराहना करते हुए उसके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को विधिवत कार्यभार सौंपा गया।

नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर विशेष रूप से युवाओं में उत्साह देखने को मिला। समाज के सदस्यों ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए समाज की प्रगति एवं एकता के लिए मिलकर कार्य करने का भरोसा दिलाया।

पत्रकारों के बच्चों की फीस में छूट का आदेश जारी करने की मांग

पेद्दापल्ली, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली प्रेस क्लब के अध्यक्ष गुडला श्रीनिवास ने पत्रकारों के बच्चों की निजी स्कूलों की फीस में छूट संबंधी सरकारी आदेश तत्काल जारी करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन की देरी के कारण पत्रकार परिवारों के करीब 500 विद्यार्थी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

श्रीनिवास ने कहा कि पत्रकारों के बच्चों को नियमानुसार पहले बच्चे की फीस में 100 प्रतिशत तथा दूसरे बच्चे की फीस में 50 प्रतिशत छूट मिलनी चाहिए, लेकिन स्पष्ट आदेश नहीं होने से निजी स्कूल प्रबंधन फीस के लिए दबाव बना रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों को आवंटित आवासीय भूखंडों के मामलों में भी शीघ्र कार्रवाई और पात्र पत्रकारों को मकान उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना बनाने की मांग की।

उन्होंने चेतावनी दी कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं होने पर पत्रकारों को एकजुट कर चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर करीब 100 पत्रकार उपस्थित रहे।

पोननाडा सूर्य प्रकाश को 'इंजीनियर ऑफ द ईयर 2026 – एशिया पैसिफिक' पुरस्कार

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के प्रतिष्ठित सिविल एवं स्ट्रक्चरल इंजीनियर ईआर. पोननाडा सूर्य प्रकाश, एफआईई, सीई, पीई को फेडरेशन ऑफ इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूशन्स ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक (एफईआईएपी) द्वारा 'इंजीनियर ऑफ द ईयर 2026 – एशिया पैसिफिक' पुरस्कार तथा एफईआईएपी की मानद फेलोशिप प्रदान की गई है। यह सम्मान मलेशिया के कुचिंग, सारावाक में आयोजित एफईआईएपी की 34वीं आम सभा के दौरान बोर्नियो कन्वेंशन सेंटर में दिया गया। यह पुरस्कार उनकी लगभग चार दशकों की उत्कृष्ट इंजीनियरिंग सेवा, नेतृत्व, नवाचार और क्षमता निर्माण के लिए दिया गया है। संस्था ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) आईईआई ने उनका नामांकन किया था। पुरस्कार स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मान सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि भारत, आईईआई और आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले के उनके गांव राजोल की गर्व की बात है। उन्होंने इसे एशिया–पैसिफिक के युवा इंजीनियरों को समर्पित किया।

ईआर. सूर्य प्रकाश जेएनटीयू काकीनाडा से सिविल इंजीनियरिंग स्नातक और आईआईटी मद्रास से स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एमएस हैं। उन्होंने सत्यवाणी प्रोजेक्ट्स एंड कंसल्टेंट्स की स्थापना की तथा 10,000 से अधिक इंजीनियरों का मार्गदर्शन किया है। वे एसीसीई(आई) के पूर्व अध्यक्ष, भारतीय भवन कांग्रेस के तेलंगाना राज्य केंद्र के चेयरमैन और आईईआई के सिविल इंजीनियरिंग डिवीजन बोर्ड के पूर्व चेयरमैन रह चुके हैं।

उनके योगदान में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की सार्वजनिक परियोजनाओं की समीक्षा तथा भूकंप प्रभावित संरचनाओं का आकलन शामिल है। यह सम्मान हैदराबाद और तेलंगाना के इंजीनियरिंग समुदाय के लिए गर्व का क्षण है।

कोरा संघ में कृष्ण जन्माष्टमी उत्साहपूर्वक मनाई गई

हैदराबाद, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्रावक संघ, कोरा सिख विलेज, सिकंदराबाद के तत्वावधान में महासती आगमश्रीजी महाराज साहब एवं महासती घेयोश्रीजी महाराज आदि ठाणा–2 के सानिध्य में कृष्ण जन्माष्टमी उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ मनाई गई। प्रवचन के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

संघ के मंत्री अनिल तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि जन्माष्टमी उत्सव में 60 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। कई बच्चे राधा–कृष्ण सहित विभिन्न धार्मिक एवं आकर्षक वेशभूषाओं में पहुंचे।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात श्री संघ की ओर से गौतम प्रसादी की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही रात 11:30 बजे से बच्चों के लिए शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 60 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बासर में 354 करोड़ से होगा श्री ज्ञान सरस्वती मंदिर का समग्र विकास

मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने किया मास्टर प्लान का शिलान्यास, पुष्कर घाटों के लिए 20 करोड़ के कार्यों का भी भूमि पूजन

बासर, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर गोदावरी पुष्करालु के आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को आबकारी, पर्यटन, सांस्कृतिक एवं पुरातत्व विभाग के मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने बासर स्थित प्रसिद्ध श्री ज्ञान सरस्वती मंदिर के 354 करोड़ के मास्टर प्लान एवं विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसके साथ ही 20 करोड़ की लागत से पुष्कर घाटों के निर्माण, विस्तार एवं मरम्मत कार्यों का भी भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर मंत्री ने गोदावरी नदी पर विशेष पूजा-अर्चना भी की।

मंदिर परिसर का होगा भव्य विस्तार

मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने मीडिया को विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में 2,000 वर्ग फुट में स्थित मंदिर के गर्भगृह एवं अर्ध मंडप को बढ़ाकर 5,000 वर्ग फुट किया जाएगा। वहीं, पूरे मंदिर परिसर का क्षेत्रफल 20,000 वर्ग फुट से बढ़ाकर 62,000 वर्ग फुट किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मंदिर में राजगोपुरम के साथ अन्य तीन दिशाओं में 7-7 मंजिला गोपुरम बनाए जाएंगे। मंदिर के चारों ओर 33 फीट चौड़े माडा गलियारे विकसित किए जाएंगे।

छह हजार श्रद्धालुओं की क्षमता वाला क्यू कॉम्प्लेक्स

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगभग 6,000 श्रद्धालुओं की क्षमता वाला 70,000 वर्ग फुट का आधुनिक क्यू कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। इसमें फीडिंग रूम, खाद्य स्टॉल एवं शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मंत्री ने बताया कि भक्तों के लिए 200 लोगों की क्षमता वाला ध्यान मंडप, 20,000 वर्ग फुट क्षेत्र में रसोई एवं भोजनशाला, प्रसाद वितरण केंद्र, उत्तर-पूर्वी दिशा में पवित्र कोनेरू (तालाब), स्वास्थ्य केंद्र तथा विशाल पार्किंग स्थल का भी निर्माण किया जाएगा।

पुष्करालु के लिए 12 स्थानों का होगा विकास

मंत्री ने कहा कि अगले वर्ष 27 जून से शुरू होने वाले गोदावरी पुष्करालु के लिए राज्य सरकार पूरे नदी तट पर 12 स्थानों के विकास के लिए 1,000 करोड़ खर्च कर रही है। पुष्करालु के दौरान महिलाओं के लिए विशेष परिवर्तन एवं वस्त्र बदलने के कक्ष, 24 घंटे चिकित्सा शिविर, एम्बुलेंस तथा स्वच्छता व्यवस्था के लिए अतिरिक्त सफाईकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए विशेष पार्किंग क्षेत्र बनाए जाएंगे। साथ ही पुलिस, राजस्व, बंदोबस्ती, स्वास्थ्य एवं नगर निगम विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश

इस अवसर पर समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विकास कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूरे किए जाएं।

निर्माण कार्यों की निरंतर समीक्षा एवं निगरानी के लिए एक विशेष भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी, ताकि विकास कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा सके और पुष्करालु के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

इस अवसर पर स्थानीय विधायक दंडे विट्ठल, मुधोल विधायक पवार रामाराव पटेल, जिला कलेक्टर बी. वेंकटेशवरलू, पुलिस अधीक्षक साई चैतन्य, मंदिर कार्यकारी अधिकारी अंजना देवी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

फ्यूचर सिटी पुलिस ने प्रौद्योगिकी, आधुनिक पुलिसिंग उपकरण जांच और एआई पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फ्यूचर सिटी के पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी, आईपीएस की पहल के अंतर्गत फ्यूचर सिटी पुलिस आयुक्तालय के कर्मियों के तकनीकी और जांच कौशल को मजबूत करने के लिए एक व्यापक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

सर्कल इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर तथा अन्य पुलिस कर्मी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इसमें दैनिक पुलिसिंग और जांच कार्यों में आधुनिक सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों, डिजिटल पुलिसिंग टूल्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। कोर्स में सीसीटीएनएस, एफआईआर से चार्जशीट प्रक्रिया, इंटेलिजेंस एवं फील्ड टूल्स, ई-साक्ष्य, ई-समन्स, साइबरक्राइम प्लेटफॉर्म, आपराधिक न्याय प्रणाली, सोशल मीडिया व ओएसआईएनटी टूल्स तथा एआई आधारित पुलिसिंग अनुप्रयोग शामिल हैं।

एआई व साइबर जांच पर विशेष जोर

व्यावहारिक जांच कौशल, साइबर अपराध प्रतिक्रिया तथा चेहरे की पहचान, सीसीटीवी एनालिटिक्स, बायोमेट्रिक्स, अनुवाद, साइबर फोरेंसिक्स और अपराध विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग पर विशेष बल दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में एआई के जिम्मेदार एवं कानूनी उपयोग, एआई द्वारा उत्पन्न जानकारी के सत्यापन तथा संवेदनशील केस डेटा की सुरक्षा पर भी जोर दिया जा रहा है।

इस पहल के माध्यम से पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी, आईपीएस अधिक तकनीक-सक्षम, कुशल तथा जांच-केंद्रित फ्यूचर सिटी पुलिस बल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह कार्यक्रम टी-स्पार्क द्वारा क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है।

ईमानदारी की मिसाल : बस में छूटे हज यात्री के 3 लाख, महिला कंडक्टर ने लौटाए वापस

नामपल्ली जाने की जल्दी में अफजलगंज में उतर गया दंपती, बाद में याद आया बैग कंडक्टर-चालक ने सुरक्षित रखी रकम

हैदराबाद, 07 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में इमानदारी का अनोखा मामला प्रकाश में आया है । हज यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे रंगा रेड्डी जिले के शादनगर निवासी दंपती की लापरवाही से बस में 3 लाख रुपए नकद से भरा बैग छूट गया। अफजलगंज में बस से उतरकर नामपल्ली पहुंचने के बाद उन्हें बैग के बस में छूटने का पता चला। घबराया दंपती तुरंत अफजलगंज बस स्टैंड लौटा। इस बीच ड्यूटी पर तैनात सरकारी आरटीसी कंडक्टर सरिता ने बैग को सुरक्षित रख लिया था। चालक नरसिम्हुलु की मौजूदगी में दंपती को पूरी रकम वापस सौंप दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शादनगर निवासी व्यवसायी जहांगीर शनिवार को अपनी पत्नी के साथ हैदराबाद आ रहे थे। दोनों टीजीए-सआरटीसी की बस से यात्रा कर रहे थे। अफजलगंज पहुंचने पर दंपती बस से उतर गया और नांपल्ली की ओर रवाना हो गया। सामान उतारने की जल्दबाजी में 3 लाख रुपए नकद वाला बैग बस में ही रह गया।

नामपल्ली पहुंचने के बाद जब दंपती ने अपना सामान देखा तो बैग गायब मिला। इसके बाद उन्हें याद आया कि बैग बस में ही छूट गया है। नकदी की बड़ी रकम होने के कारण दोनों घबरा गए और बिना देर किए वापस अफजलगंज बस स्टैंड पहुंचने के लिए रवाना हुए।

इधर, बस में ड्यूटी कर रही कंडक्टर सरिता की नजर सीट पर पड़े लावारिस बैग पर पड़ी। उन्होंने बैग के बारे में चालक नरसिम्हुलु को बताया और उसे सुरक्षित रख लिया। कुछ देर बाद जहांगीर और उनकी पत्नी बस स्टैंड पहुंचे और बैग छूटने की जानकारी दी। कंडक्टर और चालक ने पहचान की पुष्टि के बाद बैग दंपती को सौंप दिया।

बैग में रखी पूरी 3 लाख रुपए की नकदी सुरक्षित थी। रकम वापस मिलने पर दंपती ने राहत की सांस ली और कंडक्टर सरिता तथा चालक नरसिम्हुलु का आभार जताया। कर्मचारियों की ईमानदारी और तत्परता की सराहना की जा रही है।

धर्म बांधता नहीं, हर कर्म बंधन से मुक्त करता है : ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी

ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के सान्निध्य में जयपुर में नंदोत्सव-2026 का भव्य आयोजन

देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालु, गुरुदेव के आशीर्वचन से मिला जीवन को प्रेम, सकारात्मकता एवं आध्यात्मिक दिशा देने का संदेश

जयपुर, 07 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन एवं सिद्धेश्वर सनातन संसार, श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के जयपुर केंद्र की ओर से राजधानी के बीलवा पैलेस में भव्य 'नंदोत्सव-2026' का आयोजन किया गया। ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के पावन सान्निध्य में आयोजित इस आध्यात्मिक उत्सव में देश, विदेश से पहुंचे गुरु भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने भक्ति, साधना, प्रार्थना के साथ साथ परमात्म शक्ति का लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान परिसर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा।

इस दौरान ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने अपने आशीर्वचन में मनुष्य को सदैव अच्छी संगति में रहने की सीख देते हुए कहा कि संगति का व्यक्ति के विचारों, व्यवहार और पूरे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वे बोले, सच्चा धर्म मनुष्य को बांधता नहीं है, बल्कि उसे कर्मों के बंधनों से मुक्त होने का मार्ग दिखाता है। धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भय, बंधन और संकीर्णताओं में रखना नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रेम, करुणा, सत्य और आत्मिक जागरूकता का विकास करना है।

वैवाहिक जीवन के संबंध में गुरुदेव ने पति-पत्नी को प्रेमपूर्ण संबंध बनाए रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि केवल पति-पत्नी बनकर जीवन न बिताएं, बल्कि जीवन में एक-दूसरे के प्रेमी भी बने रहें। उन्होंने कहा कि रिश्तों में कई बार केवल फर्ज और जिम्मेदारियां प्रमुख हो जाती हैं, जबकि प्रेम में अपनापन, समर्पण और सच्चे भावों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने श्रीकृष्ण और उनके प्रति विभिन्न भक्तों के भावों का उल्लेख करते हुए बताया कि रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को पति के रुप में स्वीकार किया, जबकि मीरा ने श्रीकृष्ण में प्रेम देखा। मीरा ने केवल एक सांसारिक संबंध नहीं देखा, बल्कि कृष्ण को कृष्ण के रूप में देखा और उनमें परमात्मा के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि प्रेम जब अपनी शुद्धता और गहराई तक पहुंचता है तो वह व्यक्ति को सांसारिक सीमाओं से ऊपर उठाकर परमात्मा से जोड़ देता है। इस अवसर पर श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति की प्रथम उपासिका एवं ग्लोबल चेयरपर्सन सरला बोथरा, उपासक राजेश चोरड़िया, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंदु राठौर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय शर्मा (गुरुग्राम), राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा (जयपुर), घनश्याम मोदी, नवीन गिरीया, आचार्य श्रीनिवास जीतेन्द्र श्रीमाली, आशीष शांतिलाल मेहता, डॉ राजेंद्र लांबा, कमलेश आत्रेय, प्रीति जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं गुरु भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पूर्व जज डा. राजेन्द्र चौधरी ने सभी का स्वागत किया।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान, सेवा के साथ मानवता का संदेश

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अनिल धारशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा एवं लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित करते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा हैदराबाद के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से अन्नदान सेवा संचालित की जा रही है। समूह का उद्देश्य जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है।

सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है। राधे-राधे ग्रुप इसी सेवा भावना के साथ अपने नियमित सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया को 'ग्लोबल विजनरी एजुकेशनिस्ट' सम्मान

पुणे, 7 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया को 'ग्लोबल विजनरी एजुकेशनिस्ट, पैट्रियॉटिक एंड कम्पैशनेट लीडर' के प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित आईआईटी दिल्ली के रिसर्च एवं इनोवेशन पार्क के सभागार में हाल ही में आयोजित 'इंडिया2047 लीडरशिप, इनो-वेशन एंड ग्लोबल पावर समिट 2026' में सांसद एवं संयुक्त राष्ट्र के पूर्व अंडर-सेक्रेटरी-जनरल डॉ. शशि थरूर ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

आजीवन मूल्याधारित एवं समग्र शिक्षा, चरित्र निर्माण तथा विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों, कर्मचारियों और समाज में देशभक्ति, संवेदनशीलता एवं स्थायी मूल्यों को विकसित करने में उनके महत्वपूर्ण और दीर्घकालीन योगदान को ध्यान में रखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया।'नेतृत्व, नवाचार और वैश्विक प्रभाव के माध्यम से 2047 के भारत की यात्रा को आकार देना' विषय पर आधारित इस शिखर सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के चुनिंदा प्रतिष्ठित नेता, नवोन्मेषक, उद्यमी, नीति-निर्माता, शिक्षातज्ज्ञ, निवेशक और परिवर्तन के शिल्पकार शामिल हुए।

सम्मेलन में दूरदर्शी नेतृत्व, प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, शिक्षा, वैश्विक प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति जैसे विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। शिक्षा, उद्योग, सामाजिक विकास और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिष्ठित नेताओं, शिक्षाविदों, नवोन्मेषकों और सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले व्यक्तियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता डॉ. शशि थरूर ने भारत की वर्ष 2047 तक की विकास यात्रा पर चर्चा को व्यापक दृष्टिकोण और महत्वपूर्ण विचारों से समृद्ध किया। कूटनीति, सार्वजनिक नीति, अंतरराष्ट्रीय मामलों, साहित्य और प्रशासन के क्षेत्र में अपने दीर्घ अनुभव के आधार पर डॉ. थरूर ने वैश्विक मंच पर भारत की बदलती भूमिका को रेखांकित किया।

फूड सेफ्टी कार्ड से राशन प्राप्त करना होगा आसान

गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को सरकारी खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

हैदराबाद, 07 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के विभिन्न स्थानों सोमवार को फूड सेफ्टी कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गोशामहल क्षेत्र में विधायक टी. राजा सिंह ने लाभार्थियों में कार्ड वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लाभार्थियों उपस्थित थे। कार्ड प्राप्त करने वाले लाभार्थियों में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं की भी बड़ी संख्या रही।

बड़े राशन कार्ड की जगह अब छोटे कार्ड

पहले गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को राशन प्राप्त करने के लिए बड़े आकार के राशन कार्ड लेकर राशन की दुकानों पर जाना पड़ता था। अब केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रयासों से छोटे एवं सुविधाजनक फूड सेफ्टी कार्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे लाभार्थियों को कार्ड रखने के साथ-साथ राशन प्राप्त करने में भी आसानी होगी।

नए फूड सेफ्टी कार्ड के माध्यम से पात्र परिवारों को सरकारी राशन योजनाओं का लाभ अधिक सुविधाजनक एवं व्यवस्थित तरीके से प्राप्त हो सकेगा। इससे राशन वितरण व्यवस्था को भी सरल बनाने में मदद मिलेगी और पात्र लाभार्थियों तक सरकारी खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ आसानी से पहुंचाया जा सकेगा।

आज आयोजित कार्ड वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने भाग लिया और नए फूड सेफ्टी कार्ड प्राप्त किए। इस पहल से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को सरकारी खाद्य सुरक्षा योजन-ाओं का लाभ प्राप्त करने में और अधिक सुविधा होने की उम्मीद है।यह कदम सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.